■ आषाढ़ शुक्ल - 3 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 328 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 28-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 एमएसएमई इकाइयां 'आत्मनिर्भर' भारत का आधार : योगी आदित्यनाथ

6 अंतरिक्ष में छलांग लगा कर भारत ने रचा इतिहास

7 अमेरिकी नेता जोहरान ममदानी पर कंगना रनौत नाराज

फर्स्ट टेक

देशभर के डाकघरों में डिजिटल भुगतान अगस्त से

नई दिल्ली/भाषा। देश में डाकघर अगस्त से काउंटरों पर डिजिटल भुगतान स्वीकार करना शुरू कर देंगे। आईटी व्यवस्था में एक नए एप्लिकेशन का क्रियान्वयन के बाद यह कदम उठाया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। फिलहाल डाकघर डिजिटल भुगतान स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि उनके खाते यूपीआई (यूनिक पेमेंट इंटरफेस) प्रणाली से जुड़े नहीं हैं। आधिकारिक सूत्र ने पीटीआई-भाषा से कहा, डाक विभाग अपने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) ढांचे को लागू कर रहा है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

रेप का मेप

अपराधों के लेकर समंक,
सब खेल रहे हैं रेप-रेप।
किस युग में कम या ज्यादा थे,
दिखला करके कर रहे लेप।
उत्तरोत्तर ग्राफ बढ़ा जाता,
दिखता विभत्स अब प्रगति मेप।
जो फैंक रहे ऊँची ऊँची,
वे छुपा रहे मुँह झेंप-झेंप।।

'जय जगन्नाथ' के उद्घोष के साथ हजारों लोगों ने खींचा रथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। ओडिशा के पुरी में शुक्रवार को रथ यात्रा उत्सव का मुख्य भाग शुरू होने के साथ ही हजारों लोगों ने भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों के रथों से जुड़ी रस्सियों को श्री गुंदेचा मंदिर की ओर खींचा।

श्री गुंडिचा मंदिर, 12वीं सदी के भगवान जगन्नाथ मंदिर से करीब 2.6 किलोमीटर दूर है।

राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र के रथों को खींचने वालों में शामिल थे।

'जय जगन्नाथ' और 'हरि बोल' के उद्घोष तथा झांझ-मंजीरे, तुरही और शंख की ध्वनि के बीच सबसे पहले शाम चार बजकर आठ मिनट पर भगवान बलभद्र का 'तालध्वज' रथ आगे बढ़ा। इसके बाद देवी सुभद्रा का 'दर्पदलन' रथ और अंत में भगवान जगन्नाथ का 'नंदीघोष' रथ रवाना हुआ। जब यात्रा शहर के ग्रैंड रोड से होकर गुजर रही थी और भक्त रथ खींच रहे थे, तब पुजारियों ने उन (रथ) पर सवार देवताओं को घेर लिया। हजारों लोगों ने रथ खींचे, जबकि लाखों अन्य लोग भी उत्सव में हिस्सा लेने के लिए पुरी के इस प्रसिद्ध मंदिर शहर पहुंचे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि वार्षिक रथ उत्सव में शामिल होने के लिए शहर में लगभग दस लाख भक्तों के एकत्र होने का अनुमान है। पुरी के राजा गजपति महाराजा दिव्यसिंह देब द्वारा तीनों रथ पर 'छेरापहंरा' (रथों की सफाई) की रस्म पूरी करने के बाद रथ खींचने की प्रक्रिया शुरू हुई। भक्तों द्वारा खींचे जाने से पहले तीनों रथ पर अलग-अलग रंगों के लकड़ी के घोड़े लगाए गए।

इससे पहले, शुक्रवार को यहां दो घंटे से अधिक समय तक चली औपचारिक 'पहांडी' रस्म के बाद भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ अपने-अपने रथों पर सवार हुए। 'पहांडी' शब्द संस्कृत शब्द 'पदमुंडनम' से आया है, जिसका अर्थ है पैर फैलाकर धीमी गति से कदम उठाना। इस रस्म के तहत तीनों देवी-देवताओं की लकड़ी की प्रतिमाओं को 12वीं सदी के मंदिर से रथों तक लेकर जाया जाता है। घंटे, शंख और झांझ बजाते हुए चक्रराज सुदर्शन को सबसे पहले मुख्य मंदिर से बाहर लाया गया और देवी सुभद्रा के 'दर्पदलन' रथ पर विराजमान किया गया।

'आतंकवाद से लड़ना शंघाई सहयोग संगठन का उद्देश्य'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का उद्देश्य आतंकवाद से लड़ना है, और भारत संयुक्त वक्तव्य में आतंकवाद का संदर्भ चाहता था लेकिन एक देश ने इसके समावेश का विरोध किया।

विदेश मंत्री ने यहां मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए कहा, एससीओ का उद्देश्य आतंकवाद से लड़ना है। यह संगठन आतंकवाद से लड़ने के लिए है। तो, क्या हुआ कि जब राजनाथ जी (रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह) एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए गए और संयुक्त वक्तव्य पर चर्चा हुई, एक देश, आप अनुमान लगा सकते हैं कि कौन सा, एक देश ने कहा, 'नहीं, नहीं, हम इसका संदर्भ नहीं चाहते हैं'।

उन्होंने कहा, एससीओ सर्वसम्मति से चलता है और एक देश ने कहा कि हम इस बात से सहमत नहीं हैं कि आतंकवाद का कोई संदर्भ होना चाहिए और राजनाथ जी ने कहा कि अगर आतंकवाद का कोई संदर्भ नहीं है तो हम उस बयान को स्वीकार नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत ने चीन में एससीओ के रक्षा मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक में संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया क्योंकि बीजिंग और इस्लामाबाद नहीं चाहते थे कि पहलगाम आतंकवादी हमले का उल्लेख इसमें किया जाए, लेकिन वे बलूचिस्तान में जाफर ट्रेन अपहरण की घटना को शामिल करने पर अड़े रहे।

किंगदाओ में सम्मेलन में भाग लेने वाले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के अपराधियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं और भारत उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेगा।

|| जय आत्मानंदन देवेन्द्र शिव महेन्द्र || || श्री महावीराय नमः || || जय जैन दिवाकर-गुरु गणेश-मधुकर-मरुधर केसरी-रमेश ||

आध्यात्मिक मंगलमय चातुर्मास प्रवेश

दि.29.06.2025 रविवार

श्रमण संघ सदा जयवंत रहे !

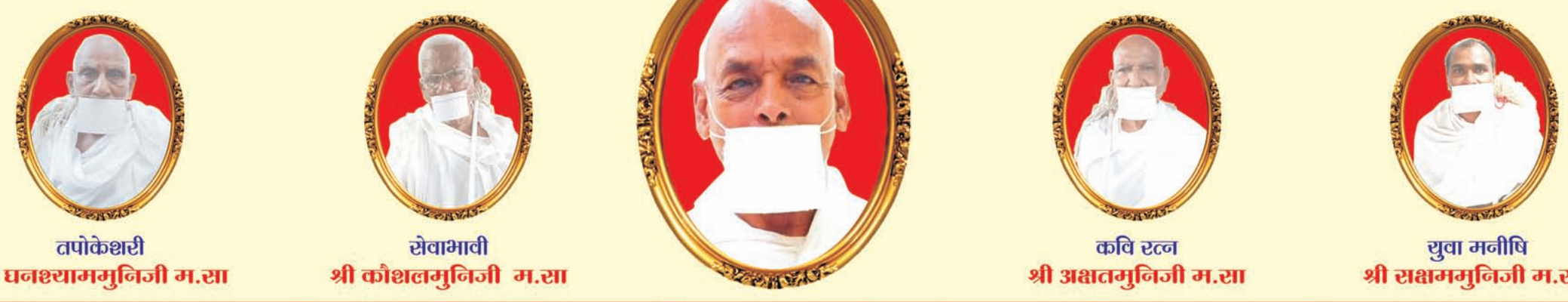

तपोकेशरी श्री घनश्याममुनिजी म.सा | सेवाभावी श्री कौशलमुनिजी म.सा | कवि रत्न श्री अक्षतमुनिजी म.सा | युवा मनीषि श्री सक्षममुनिजी म.सा

श्रमण संघ मंत्री शेर ए हिन्द राष्ट्रसंत पुज्य गुरुदेव श्री कमलमुनि म.सा "कमलेश"

आपको सूचित करते हुए हमें अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि चेन्नई महानगर के प्रबल पुण्योदय से श्रमण संघीय पश्चिम भारतीय प्रवर्तक श्री रमेशमुनिजी म.सा के सुशिष्य राष्ट्र संत पुज्य गुरूदेव श्री कमलमुनिजी म.सा 'कमलेश' तपोकेशरी श्री घनश्याममुनिजी म.सा, सेवाभावी श्री कौशलमुनिजी म.सा, कवि रत्न श्री अक्षतमुनिजी म.सा, युवा मनीषि श्री सक्षममुनिजी म.सा आदि ठाणा-5 का वर्ष 2025 का चातुर्मास हमारे श्री जैन भवन, साहुकारपेट में होने जा रहा है, इस चातुर्मास की स्वीकृति पाकर हमारा संघ अत्यन्त ही भाव विभोर एवं कृतज्ञ है। गुरू भगवतों के मंगल प्रवेश, शोभायात्रा तथा चातुर्मास के नियमित प्रवचन एवं विविध आयोजनो पर आप अपने इष्ट मित्रों सहित, श्री संघ एवं सपरिवार पधारकर गुरू भगवतों के दर्शन, जिनवाणी श्रवण एवं मांगलिक का लाभ लिरावें। श्री एस.एस.जैन संघ, साहुकारपेट को आतिथ्य सत्कार का सुअवसर प्रदान करावें। शोभायात्रा के प्रस्थान के पूर्व श्री एस.एस.जैन संघ, नेहरू बाजार द्वारा अल्पाहार की व्यवस्था रखी गई है।

* विशेष नोट : संघ लेकर पधारने वाले महानुभाव अग्रिम सूचना अवश्य दिरावें।	पूज्य श्री के क्रांतिकारी कदम विधवा नही वीरांगना कहो
निवेदन : सामायिक के उपकरण साथ में लेकर पधारें एवं अधिक से अधिक सामायिक करने का लक्ष्य रखें।	चातुर्मास में प्रतिदिन 12 घंटे का नवकार मंत्र का जाप।

* चातुर्मास प्रवेश के मुख्य अतिथि *
श्रीमान् श्रेष्ठीवर राजेशसा जैन (रंगीला) पार्षद चेन्नई महानगर पालिका

* चातुर्मास के प्रमुख लाभार्थी परिवार *
श्रीमान् श्रेष्ठीवर प्रकाशचंदसा आर्दशकुमारसा खिंवसरा
The Pattern Guru चेन्नई (मरूधर में बावरा)

* सम्पूर्ण चातुर्मास के प्रभावना एवं बहुमान के लाभार्थी *
श्रीमान श्रेष्ठीवर देवीचंदसा रांका माधावरम, चेन्नई (मरूधर में सारोठ)

* चातुर्मास मंगल प्रवेश कार्यक्रम *
दिनांक 29.06.2025 रविवार प्रात: 7.30 बजे
जैन स्थानक नेहरू बाजार पोर्चगीस चर्च स्ट्रीट, प्रथम लेन से जैन भवन साहुकारपेट, चेन्नई।
कार्यक्रम के पश्चात् साहुकारपेट जैन संघ द्वारा जैन भवन में गौतमप्रसादी की व्यवस्था रखी गई है।
* चातुर्मास प्रारंभ : दि.10.07.2025 गुरूवार, स्थल : जैन भवन, साहुकारपेट, चेन्नई

* विशिष्ट अतिथि *
श्री दिलीपजी राजपाल, इंदौर - पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन
महंत श्री भारत भूषणजी, मुम्बई
श्रीमती मंगलाजी भण्डारी, नासिक राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष जैन दिवाकर मंच, नई दिल्ली
योग गुरू श्री राघेश्यामजी, मुम्बई राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैन दिवाकर मंच
श्री महेन्द्रजी चोपड़ा, कोपल

* निवेदक : श्री एस.एस. जैन संघ, साहुकारपेट

* चेयरमेन *	* अध्यक्ष *	* महामंत्री *	* कार्याध्यक्ष *	* कोषाध्यक्ष *	* मीडिया प्रबधंन *
सुरेशकुमार लुणावत जैन	प्रकाशचंद खिंवसरा	डॉ.संजय पींचा	सुशील ललवाणी	जितेन्द्र भण्डारी	अजीत कोठारी
98842 21003	93444 40444	98410 25571	98843 95700	94444 52661	94459 35954

* प्रभावना *
8 से 28 तक की तपस्या के लिए 20 ग्राम रजत का सिक्का, मासखमण की तपस्या के लिए 50 ग्राम रजत का सिक्का बच्चों को विशेष प्रोत्साहन 12 वर्ष से कम उम्र वालों बच्चों के तेले और उससे ज्यादा की तपस्या के लिए 20 ग्राम रजत का सिक्का

* अनुकरणीय *
पूज्य गुरूदेव राष्ट्र संत श्री कमलमुनिजी म.सा कमलेश की प्रेरणा से श्री एस.एस.जैन संघ साहुकारपेट ने संपूर्ण चातुर्मास के दौरान गौतमप्रसादी एवं अन्य सभी अयोजनों में भोजन में केवल 9 पदार्थों का ही उपयोग लेने का क्रांतिकारी निर्णय लिया है।

MADHU

कलिंगा संस्थान के श्रीवाणी क्षेत्र में आयोजित जगन्नाथ रथ यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

अच्युत सामंत द्वारा छेरा पहनरा का अनुष्ठान किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर। केआईआईटी के श्रीवाणी क्षेत्र में स्थित जगन्नाथ मंदिर में शुक्रवार को रथ यात्रा का आयोजन किया।

पूर्वान्ह में निर्धारित समय के अनुसार मंगला आरती, मैलामा, ताड़पलागी, रोशा होम, अबाकाशा, सूर्य पूजा और रथ स्थापना जैसे धार्मिक अनुष्ठान हुए और दोपहर 3 बजे केआईआईटी के संस्थापक अच्युत सामंत द्वारा छेरा पहनरा का अनुष्ठान किया गया। शाम करीब 4 बजे हजारों भक्तों ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के तीन सुसज्जित रथों को केआईआईटी-शिखरचंडी रोड के पास नवनिर्मित गुंडिचा मंदिर तक खींचते हुए रथ यात्रा में भाग लिया। केआईएसएस संस्थान के निकट रथ दंड के पास का वातावरण पारंपरिक संगीत वाद्ययंत्रों, धार्मिक पाठों और जय जगन्नाथ की ध्वनि के साथ भक्तों से भरा हुआ था। श्रीवाणी क्षेत्र में रथ यात्रा की विशिष्टता यह है कि देवी सुभद्रा के रथ को केवल महिला भक्त ही खींचती हैं। ज्ञातव्य है कि श्रीवाणी क्षेत्र में सभी अनुष्ठान जगन्नाथ मंदिर पुरी की परंपराओं के अनुसार किए जाते हैं। रथ यात्रा की परंपराओं का पालन भी पुरी श्री मंदिर द्वारा निर्धारित किया जाता है। तीन सुंदर रथों के निर्माण के लिए श्रीवाणी क्षेत्र मंदिर ट्रस्ट द्वारा विशेष बिंधनी, महाराणा और चित्रकार को लगाया जाता है। श्रीवाणी क्षेत्र में जगन्नाथ मंदिर के निर्माण से लेकर सभी अनुष्ठान, नीति और पूजा तक, सभी गतिविधियाँ पुरी के गजपति महाराजा, श्री दिव्यसिंह देब के परामर्श और मार्गदर्शन में की जाती हैं। आस-पास के इलाकों से लगभग 50 हजार भक्त गुंडिचा मंदिर पहुंचे और त्रिदेवों के दर्शन करते हुए रथ यात्रा में शामिल हुए।

ऑनलाइन विवाद समाधान पोर्टल से एमएसएमई को भुगतान के मामलों की सुनवाई में तेजीः राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि विवाद समाधान के लिए जारी ऑनलाइन पोर्टल सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को भुगतान में देरी से संबंधित मामलों में तेजी से सुनवाई और निर्णय लेने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

मुर्मू ने 'विश्व एमएसएमई दिवस' के अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के समक्ष मौजूद चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि ऑनलाइन पोर्टल इस दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने एमएसएमई उद्यमों की वित्त तक पहुंच, बड़ी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा और भुगतान में देरी जैसी चुनौतियों का भी उल्लेख किया। मुर्मू ने कहा कि सरकार के प्रयासों से पंजीकृत एमएसएमई की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है।

राष्ट्रपति ने कहा, आज पेश किया गया ऑनलाइन विवाद समाधान पोर्टल एमएसएमई को भुगतान में देरी से संबंधित मामलों में तेजी से सुनवाई और निर्णय लेने में महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने युवा महिलाओं से व्यवसाय स्थापित करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज की दुनिया जलवायु परिवर्तन और तेजी से विकसित हो रही प्रौद्योगिकी से उत्पन्न चुनौतियों से जूझ रही है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण से जुड़े लक्ष्यों के लिए भारत को प्रतिबद्ध बताते हुए कहा कि एमएसएमई में हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना समय की मांग है। मुर्मू ने कहा, यह (हरित प्रौद्योगिकी) न केवल एमएसएमई को मजबूत बनाएगी, उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता में सुधार करेगी, बल्कि देश के जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी मदद करेगी।

उन्होंने एमएसएमई में पर्यावरण अनुकूल उपायों के लिए नवाचार को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सरकार विभिन्न तरीकों से स्टार्टअप द्वारा नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा दे रही है।

राष्ट्रपति ने एमएसएमई से जमीनी स्तर पर नवाचार को प्रोत्साहित करने का आह्वान करते हुए उन्हें '2047 तक विकसित भारत' के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

सीतारमण ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से कर्ज वृद्धि बढ़ाने, मुनाफा बनाए रखने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) से कहा कि वे अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों को अधिक ऋण देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की आधा प्रतिशत की बड़ी ब्याज कटौती का लाभ उठाएं।

सूत्रों ने बताया कि पीएसबी के वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा के लिए एक बैठक के दौरान सीतारमण ने उनके प्रमुखों से वित्त वर्ष 2025-26 में मुनाफे की रफ्तार बनाए रखने को भी कहा।

वित्त वर्ष 2024-25 में 12 पीएसबी का कुल मुनाफा बढ़कर रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो सालाना आधार पर 26 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान लाभ में सालाना आधार पर वृद्धि लगभग 37,100 करोड़ रुपए थी।

सूत्रों के अनुसार वित्त मंत्री को उम्मीद है कि आरबीआई के आधा प्रतिशत की ब्याज दर कटौती के बाद पीएसबी की ऋण वृद्धि में सुधार होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वित्तीय समावेश को बढ़ाने के लिए बैंकों को सरकार की योजनाओं में अधिक से अधिक ग्राहकों को शामिल करना चाहिए। बैठक के दौरान किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम मुद्रा और तीन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं - प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) सहित विभिन्न खंडों और सरकारी योजनाओं की प्रगति की व्यापक समीक्षा की गई।

ईएसआईसी ने देश भर में कर्मचारी राज्य बीमा दायरा बढ़ाने की योजना फिर से शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने पूरे देश में कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) का दायरा बढ़ाने के लिए शुक्रवार को नियोक्ताओं एवं कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना के नवीनीकरण की घोषणा की। मूल रूप से 2016 में शुरू की गई 'स्प्री' योजना (नियोक्ता/कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना) ने 88,000 से अधिक नियोक्ताओं और 1.02 करोड़ कर्मचारियों के पंजीकरण की सुविधा मुहैया कराई है।

श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नवीनीकृत योजना एक जुलाई से 31 दिसंबर, 2025 तक खुली रहेगी। यह अपंजीकृत नियोक्ताओं और अनुबंधित एवं अस्थायी कर्मचारियों सहित छूटे हुए श्रमिकों को ईएसआई अधिनियम के तहत नामांकन करने का एकमुश्त अवसर देगी। इस योजना के तहत निर्धारित अवधि में पंजीकरण करने वाले नियोक्ताओं को पंजीकरण की तारीख से या उनके द्वारा घोषित तारीख से ईएसआई में शामिल माना जाएगा, जबकि नए पंजीकृत कर्मचारियों को उनके पंजीकरण की संबंधित तिथियों से कवर किया जाएगा। स्वैच्छिक अनुपालन पर केंद्रित यह योजना मुकदमेबाजी का बोझ कम करने, औपचारिक पंजीकरण को प्रोत्साहित करने और हितधारकों के बीच बेहतर जुड़ाव एवं सद्भावना को बढ़ावा देने की कोशिश करेगी। यह निर्णय शुक्रवार को कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की हिमाचल प्रदेश के शिमला में आयोजित बैठक में लिया गया। इस बैठक में ईएसआईसी ने माफी योजना-2025 को भी मंजूरी दी जो एक अक्टूबर, 2025 से 30 सितंबर, 2026 तक एकबारगी विवाद समाधान व्यवस्था है। इसका मकसद मुकदमेबाजी को कम करना और ईएसआई अधिनियम के तहत अनुपालन को बढ़ावा देना है।

यह पहला मौका है जब 'कवरेज' के संबंध में नुकसान और ब्याज से जुड़े मामलों के साथ विवादों को भी माफी योजना में शामिल किया गया है। क्षेत्रीय निदेशकों को उन मामलों को वापस लेने का अधिकार दिया गया है जहां अंशदान एवं ब्याज का भुगतान किया गया है। इस माफी योजना का उद्देश्य न्यायालय के बाहर विवादों के समाधान के लिए एक व्यवस्था मुहैया कराते हुए मुकदमों की संख्या को कम करना, नियोक्ताओं को आपसी समझौते के लिए आगे आने का अवसर देना है। ईएसआईसी ने वर्गीकृत दरों के पिछले ढांचे को बदलकर अपने नुकसान के ढांचे को सरल बनाने का भी फैसला किया।

महिमा पटावरी बनीं विजयनगर तेरापंथ महिला मंडल की नई अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर में अध्यक्ष मंजू गादिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को तेरापंथ भवन में आठवीं साधारण सभा में वर्ष 2025-27 के लिए महिमा पटावरी को नया अध्यक्ष मनोनीत किया गया। पूर्व अध्यक्ष प्रेम भंसाली ने संविधान पत्र का वाचन किया। सहमंत्री हंसा दुगड़ ने गत साधारण सभा की रिपोर्ट का वाचन किया।

मंत्री दीपिका गोखरू ने मंत्री प्रतिवेदन की प्रस्तुति दी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया, संगठन मंत्री अनीता जीरावला, प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़, सह मंत्री ललिता डागा ने विभिन्न कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। कोषाध्यक्ष मंजू भंसाली ने आय-व्यय का ब्यौरा दिया। कन्या मंडल संयोजिका ध्वनि गन्ना, सह संयोजिका प्रियल बाबेल एवं कन्या मंडल प्रभारी मोनिका गांधी ने प्रोजेक्टर द्वारा कन्या मंडल की गतिविधियों की रिपोर्ट साझा की।

मुख्य चुनाव अधिकारी वीणा बैद एवं सह चुनाव अधिकारी प्रेम भंसाली ने सर्वसम्मति से महिमा पटावरी को नवीन अध्यक्ष चुना। खुशी मांडोत को आगामी कार्यकाल के लिए कन्या मंडल संयोजिका नियुक्त किया गया।

पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री वीणा वैद, कर्नाटक प्रभारी मधु कटारिया, सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, परामर्शिका मधु सेठिया, प्रियंका गादिया ने नई अध्यक्ष को शुभकामनाएं दी। इस दौरान तत्वज्ञान परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने अपने कार्यकाल में सहयोगियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम की संयोजिका सरिता छाजेड़ एवं सुनीता पींचा ने व्यवस्था संभाली। संचालन मनीषा घोषल ने किया तथा सुनीता पींचा ने धन्यवाद दिया।

तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर की आठवीं साधारण बैठक शुक्रवार को अध्यक्ष उषा चौधरी की अध्यक्षता में राजाजीनगर भवन में आयोजित हुई। अध्यक्ष उषा चौधरी ने सभी का स्वागत करते हुए अपने कार्यकाल में सहयोग देने वाली सदस्याओं को धन्यवाद दिया। पूर्व अध्यक्षा चेतना वेदमूथा ने संविधान का वाचन किया। कन्या मंडल प्रतिवेदन की प्रस्तुति प्रभारी अरुणा कोठारी ने दी। मंत्री लता नवलखा मंत्री प्रतिवेदन पेश किया। कोषाध्यक्ष सरिता हीरावत ने आय-व्यय का ब्यौरा पेश किया। चुनाव अधिकारी मंजू वेदमूथा ने मनाव प्रक्रिया से सर्व सम्मति से वर्ष 2025-27 के लिए सुनीता कोठारी को अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया। सभी उपस्थित सदस्याओं ने नए अध्यक्ष का स्वागत किया। सहमंत्री सुरेखा श्रीश्रीमाल ने धन्यवाद दिया।

रूस से भारत के कोयले का आयात मई में दो साल में सबसे ज्यादाः रिपोर्ट

मॉस्को/भाषा। रूस से भारत को कोयले का आयात मई 2025 में मासिक आधार पर 52 प्रतिशत बढ़कर 13 लाख टन के दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

रूस के कारोबारी अखबार कोमर्सेंट ने सेंटर फॉर प्राइस इंडिसेज की कारोबारी समीक्षा का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। विश्लेषकों ने मुताबिक रूसी कोयला निर्यातकों की लचीली मूल्य निर्धारण रणनीतियों के साथ ही ईंधन की गुणवत्ता के कारण यह वृद्धि हुई। हालांकि बढ़ते घरेलू उत्पादन और लॉजिस्टिक की उच्च लागत के कारण भारत में रूस की बाजार हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना नहीं है। मौजूदा स्तर को बनाए रखना पूरी तरह से संभव है। रिपोर्ट में कहा कि मई में भारत का कुल कोयला आयात मासिक आधार पर 10% बढ़कर 1.74 करोड़ टन हो गया, जो जून 2024 के बाद सबसे अधिक है।

विपक्षी दलों ने होसबाले के बयान को लेकर आरएसएस-भाजपा को घेरा, भाजपा ने परोक्ष समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने संविधान की प्रस्तावना में शामिल ''समाजवादी'' और ''धर्मनिरपेक्ष'' शब्दों की समीक्षा करने संबंधी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के बयान को लेकर शुक्रवार को दावा किया कि आरएसएस का नकाब फिर से उतर गया है तथा उसे संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने होसबाले के बयान का परोक्ष रूप से समर्थन करते हुए कहा कि कोई भी सही सोच वाला नागरिक इसका समर्थन करेगा क्योंकि हर कोई जानता है कि ये शब्द डॉ. भीम राव अंबेडकर द्वारा लिखे गए मूल संविधान का हिस्सा नहीं थे।

आपातकाल पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए होसबाले ने कहा था, ''बाबासाहेब अंबेडकर ने जो संविधान बनाया, उसकी प्रस्तावना में ये शब्द कभी नहीं थे। आपातकाल के दौरान जब मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए, संसद काम नहीं कर रही थी, न्यायपालिका पंगु हो गई थी, तब ये शब्द जोड़े गए।'' उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे पर बाद में चर्चा हुई लेकिन प्रस्तावना से उन्हें हटाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। होसबाले ने कहा, ''इसलिए उन्हें प्रस्तावना में रहना चाहिए या नहीं, इस पर विचार किया जाना चाहिए।'' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उनके बयान को लेकर पलटवार करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आरएसएस का नकाब फिर से उतर गया। संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वो समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''आरएसएस-भाजपा को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। ये बहुजनों और गरीबों से उनके अधिकार छीनकर उन्हें दोबारा गुलाम बनाना चाहते हैं। संविधान जैसा ताकतवर हथियार उनसे छीनना इनका असली एजेंडा है।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि आरएसएस ये सपना देखना बंद करे क्योंकि उसे सफल नहीं होने दिया जाएगा। राहुल गांधी ने जोर देकर कहा, ''हर देशभक्त भारतीय आखिरी दम तक संविधान की रक्षा करेगा।''

समाजवाद, पंथनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा का आह्वान संविधान की मूल भावना बहाल करने के लिए : ऑर्गनाइजर

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध एक पत्रिका में शुक्रवार को प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले द्वारा संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा करने का आह्वान, इसे तहस-नहस करने के लिए नहीं है, बल्कि आपातकाल के दौर की नीतियों की विकृतियों से मुक्त होकर इसकी ''मूल भावना'' को बहाल करने के बारे में है।

इस मुद्दे पर संविधान सभा में हुई बहस का हवाला देते हुए, लेख में कहा गया है कि होसबाले का आह्वान भीम राव अंबेडकर और संविधान सभा द्वारा समर्थित लोकतांत्रिक सिद्धांतों से मेल खाता है, जिसने 1948 में भारत को ''पंथनिरपेक्ष, संघीय, समाजवादी राज्यों के संघ'' के रूप में वर्णित करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था।

'ऑर्गनाइजर' पत्रिका की वेबसाइट पर प्रकाशित लेख में कहा गया है, ''उनका 42वां संशोधन एक राजनीतिक पैंतरेबाजी थी, न कि संविधान सभा की विचार-विमर्श प्रक्रिया का प्रतिबिंब। इसके विपरीत, सरकार्यवाह (होसबाले) की टिप्पणी संविधान को अंबेडकर के लोकतांत्रिक ढांचे के दृष्टिकोण के अनुरूप करने के लिए एक खुली बातचीत की मांग करती है।''

इसमें कहा गया है, ''सरकार्यवाह का आह्वान संविधान को खत्म करने के बारे में नहीं है, बल्कि कांग्रेस की आपातकाल के दौर की नीतियों की विकृतियों से मुक्त होकर इसकी (संविधान की) मूल भावना को बहाल करने के बारे में है।''

आपातकाल '50 साल पुरानी बात', पिछले 11 साल से 'अघोषित आपातकाल' : दिग्विजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मप्र)/भाषा। वर्ष 1975 के दौरान लगाए गए आपातकाल को '50 साल पुरानी बात' करार देते हुए कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार को केंद्र सरकार की अगुवा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उसके राज में देश में पिछले 11 साल से 'अघोषित आपातकाल' लागू है।

देश में 25 जून, 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था। इस दौरान नागरिक अधिकारों को निलंबित करते हुए विपक्षी नेताओं और असंतुष्ट लोगों को जेल में बंद कर दिया गया था एवं प्रेस पर सेंसरशिप लागू की गई थी। आपातकाल की 50वीं बरसी पर भाजपा द्वारा कांग्रेस के खिलाफ जारी अभियान के बारे में सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा,''आपातकाल तो 50 साल पुरानी बात है। आपके (भाजपा) राज में देश में पिछले 11 साल से अघोषित आपातकाल लगा हुआ है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 11 साल में कई लोगों को असंवैधानिक तरीके से गिरफ्तार किया गया है। सिंह ने कहा,''नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार को छीना जा रहा है। यह और ज्यादा खतरनाक है।'' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने बृहस्पतिवार को मांग की थी कि कांग्रेस को 50 साल पहले इंदिरा गांधी सरकार के लगाए गए आपातकाल के लिए माफी मांगनी चाहिए।

सिंह ने कहा,''वह (होसबाले) यह क्यों भूल जाते हैं कि तत्कालीन संघ प्रमुख बालासाहेब देवरस ने इस आपातकाल का समर्थन किया था।'' उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार के संस्कृति विभाग ने देश के इतिहास में पहली बार आपातकाल के खिलाफ अभियान चलाने का आधिकारिक निर्देश जारी किया है।

देश का चालू खाता मार्च तिमाही में 13.5 अरब डॉलर के अधिशेष में: आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारत का चालू खाता वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 13.5 अरब डॉलर (जीडीपी का 1.3 प्रतिशत) के अधिशेष में रहा जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 4.6 अरब डॉलर (जीडीपी का 0.5 प्रतिशत) था। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

किसी देश के चालू खाते से पता चलता है कि संबंधित देश ने निर्यात से कितना कमाया और आयात पर कितना खर्च किया। निवेश से आय और हस्तांतरण से जुड़े लेन-देन भी इसमें शामिल होते हैं। देश का चालू खाता पिछले वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 11.3 अरब डॉलर (जीडीपी का 1.1%) के घाटे में था। सालाना आधार पर देश का चालू खाता घाटा 2024-25 के दौरान 23.3 अरब डॉलर (जीडीपी का 0.6%) रहा जो 2023-24 के दौरान रहे 26 अरब डॉलर (जीडीपी का 0.7%) के घाटे से कम है। इसका मुख्य कारण उच्च शुद्ध अदृश्य प्राप्तियां हैं। रिजर्व बैंक की 'चौथी तिमाही के दौरान भारत के भुगतान संतुलन में घटनाक्रम' रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च तिमाही में 59.5 अरब डॉलर का वस्तु व्यापार घाटा हुआ जबकि 2023-24 की चौथी तिमाही में यह 52 अरब डॉलर था।

एयर कंडीशनर का तापमान निर्धारित करने का प्रावधान फिलहाल लागू होने की संभावना नहीं : पर्यावरण मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को कहा कि एयर कंडीशनर (एसी) के तापमान को 20 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस के दायरे में करने की योजना को जल्द लागू करने की संभावना नहीं है और इसे समय के साथ धीरे-धीरे लागू किया जाएगा।

भारत जलवायु शिखर सम्मेलन में जब उनसे पूछा गया कि एसी के तापमान की नई सीमा कब लागू की जाएगी, तो यादव ने कहा कि ऐसी कोई भी स्थिति '2050 के बाद ही उत्पन्न हो सकती है।' उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह तुरंत होगा, समय के साथ इसके लिए धीरे-धीरे क्षमताएं बनाई जाएंगी।

यादव ने कहा कि जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करना राष्ट्रीय परिस्थितियों और सीबीडीआर-आरसी (साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियां और संबंधित क्षमताएं) सिद्धांत के अनुरूप किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र जलवायु निकाय को प्रस्तुत भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) या राष्ट्रीय जलवायु योजना, 'अपने लोगों तक ऊर्जा की पहुंच' सुनिश्चित करने पर जोर देती है। सीबीडीआर-आरसी के सिद्धांत का अर्थ है कि सभी देशों को जलवायु परिवर्तन से लड़ना होगा, लेकिन विकसित देशों को और अधिक प्रयास करना चाहिए, क्योंकि ऐतिहासिक रूप से उत्सर्जन के लिए वे अधिक जिम्मेदार हैं और उनके पास अधिक संसाधन हैं।

इसी महीने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा था कि भारत में एयर कंडीशनर जल्द ही 20 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस की सीमा के भीतर काम करेंगे और इसे अनिवार्य बनाया जाएगा। उन्होंने कहा था कि इस सीमा से कम या अधिक तापमान पर काम करना प्रतिबंधित होगा। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के अनुसार, भारत में ज्यादातर एसी वर्तमान में 20 से 21 डिग्री सेल्सियस के बीच निर्धारित किए जाते हैं, हालांकि आदर्श आरामदायक सीमा 24 से 25 डिग्री सेल्सियस है। बीईई ने आराम और ऊर्जा उपयोग के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए एयर कंडीशनर को 24 से 25 डिग्री सेल्सियस पर निर्धारित करने की सलाह दी है। इसमें कहा गया है कि तापमान को बहुत कम, लगभग 20 से 21 डिग्री सेल्सियस पर रखने से बिजली की बर्बादी होती है।

एजेंसी का यह भी कहना है कि एसी का तापमान सिर्फ एक डिग्री बढ़ाने से करीब छह प्रतिशत बिजली की बचत हो सकती है। इसे 20 डिग्री सेल्सियस से बढ़ाकर 24 डिग्री सेल्सियस करने से 24 प्रतिशत तक ऊर्जा की बचत हो सकती है।

मद्रास उच्च न्यायालय ने विधायक जगन मूर्ति की अग्रिम जमानत याचिका खारिज की

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को तमिलनाडु के विधायक एम जगन मूर्ति द्वारा दायर अग्रिम जमानत की याचिका खारिज कर दी। मूर्ति को एक लड़के के कथित अपहरण के मामले में गिरफ्तारी की आशंका है। अपहृत लड़के के बड़े भाई ने अपनी जाति से बाहर थेनी जिले की एक महिला से उसके परिवार के विरुद्ध जाकर विवाह किया था। एम जगन मूर्ति को 'पूवई' जगन मूर्ति के नाम से भी जाना जाता है और वह मुख्य विपक्षी दल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की सहयोगी पुरात्ची भारतम पार्टी के अध्यक्ष हैं। मूर्ति केवी कुप्पम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। न्यायमूर्ति एम. जयचंद्रन की अदालत में सुनवाई के दौरान मूर्ति के वकील एस. प्रभाकरण ने दावा किया कि अभियोजन पक्ष ने दुर्भावना और राजनीतिक मंशा से उनके मुवक्किल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्रभाकरण ने कहा कि उनके मुवक्किल ने शिकायतकर्ता, दूल्हा और दुल्हन से कभी मुलाकात नहीं की। याचिका का पुरजोर विरोध करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता जे रविन्द्रन ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अपराध में सक्रिय रूप से भाग लिया था। वह सरगना था' और उसकी भागीदारी के बिना, अपहरण नहीं होता।

आपातकाल के दौरान छोड़े गए अधिकारों के कारण भारतीय मछुआरों को पकड़ता है श्रीलंका : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि श्रीलंका द्वारा भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार करने का मुद्दा आपातकाल के दौरान हुए एक समझौते से उपजा है, जिसके तहत कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में मछली पकड़ने के अधिकार भारत ने छोड़ दिए थे। जयशंकर ने आपातकाल की 50वीं बरसी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के युवा मोर्चा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि यदि उस समय वास्तविक संसद काम कर रही होती तो श्रीलंका के साथ यह समझौता नहीं होता। उन्होंने कहा कि उस समय कभी-कभी बिना किसी संसदीय चर्चा के बड़े फैसले ले लिए जाते थे।

विदेश मंत्री ने कहा, ''हम श्रीलंका द्वारा हमारे मछुआरों को गिरफ्तार किए जाने के बारे में सुनते रहते हैं। इसका कारण यह है कि आपातकाल के दौरान एक समझौता किया गया था, जिसके तहत श्रीलंका के कुछ समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ने के मछुआरों के अधिकार को छोड़ दिया गया था।'' उन्होंने कहा कि अगर उस समय वास्तविक संसद काम कर रही होती तो चर्चा होती और इस फैसले को स्वीकार नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि इस निर्णय के परिणाम तमिलनाडु में अब भी दिखाई देते हैं। जयशंकर ने कहा कि दुनिया में सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की छवि को तब धक्का लगा जब 25 जून 1975 को आपातकाल लगाया गया। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रावासों में पुलिस छापों के अपने अनुभवों और जॉर्ज फर्नांडिस जैसे नेताओं के साथ अपने परिवार के संबंधों को भी याद किया। विदेश मंत्री ने कहा, ''मैंने विदेश सेवा में अपने वरिष्ठों से सुना था कि आपातकाल लगाकर संविधान और लोकतंत्र की हत्या के बाद भारत की रक्षा करना कितना कठिन था।'' गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए जयशंकर ने कहा कि जब देश से ''पहले परिवार'' को रखा जाता है तो आपातकाल की स्थिति पैदा हो जाती है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा, कुछ लोग संविधान की प्रति अपनी जेब में रखते हैं, लेकिन उनके दिल में कुछ और ही होता है।'' उन्होंने कहा कि लोगों को भविष्य में ऐसी किसी भी स्थिति से बचने के लिए सशक्त बनाया जाना चाहिए, क्योंकि सशक्त जनता ऐसा कभी नहीं होने देगी।

'चेन्नई में लिथियम-आयन बैटरी निर्माण सुविधा तैयार, आयात पर निर्भरता कम होगी'

चेन्नई/नई दिल्ली। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की महानिदेशक एवं प्रख्यात वैज्ञानिक एन कलाइसेल्वी ने शुक्रवार को बताया कि चेन्नई में लिथियम-आयन बैटरी सुविधा का निर्माण पूरा कर लिया गया है और इससे लिथियम बैटरियों के आयात पर भारत की निर्भरता कम करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। कलाइसेल्वी ने पीटीआई वीडियो से बातचीत में कहा, ''सीएसआईआर की इस पहल से लिथियम बैटरियों के आयात पर भारत की निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है।''

सीएसआईआर की महानिदेशक कलाइसेल्वी ने कहा, ''अभी तक भारत लिथियम आयन बैटरी का आयात मुख्य रूप से चीन, जापान और दक्षिण कोरिया से करता रहा है, क्योंकि देश में अभी भी इनकी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त उत्पादन नहीं है।'' उन्होंने कहा कि चेन्नई में लिथियम-आयन बैटरी सुविधा का निर्माण पूरा होने से लिथियम बैटरियों के आयात पर भारत की निर्भरता कम करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लिथियम-आयन बैटरियां उच्च क्षमता बिजली भंडारण के लिए उपयुक्त हैं, इसलिए इनका उपयोग विभिन्न अनुप्रयोगों में किया जाता है, जिनमें उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे स्मार्टफोन और पीसी, औद्योगिक रोबोट, उत्पादन उपकरण और ऑटोमोबाइल शामिल हैं। भारत में फरवरी 2023 में लिथियम का पहला भंडार जम्मू-कश्मीर में मिला था। प्रदेश के रियासी जिले में 5.9 मिलियन टन लिथियम का भंडार खोजा गया। इसके बाद राजस्थान के नागौर के डेगाना में भी लीथियम के भंडार का पता लगाया गया।

रेल किराये में चरणबद्ध तरीके से वृद्धि की जाएगी : केंद्रीय मंत्री सोमन्ना

चेन्नई। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने शुक्रवार को कहा कि रेल किराये में यात्रियों को प्रभावित किए बिना चरणबद्ध तरीके से बढ़ोतरी की जाएगी। किराये में धीरे-धीरे बढ़ोतरी का संकेत देते हुए सोमन्ना ने कहा, चर्चा की जा रही है और हम चरण दर चरण आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने एक जुलाई से एसी श्रेणी के रेल किराये में वृद्धि के बाद संभावित अतिरिक्त किराया वृद्धि से जुड़े सवाल के जवाब में यह बात कही। यह पूछे जाने पर कि क्या परांदुर में रेलवे स्टेशन बनाया जाएगा, जहां चेन्नई के लिए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा प्रस्तावित है, केंद्रीय मंत्री ने कहा, अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। चर्चा जारी है। इससे पहले, सोमन्ना ने चेन्नई-अरक्कोणम-कांचीपुरम खंड का निरीक्षण किया और डीआरएम चेन्नई विश्वनाथ बी आर्य और अन्य अधिकारियों के साथ परिचालन एवं सुरक्षा पहलुओं का जायजा लिया।

करुणानिधि ने की थी कड़ी आलोचना, फिर भी द्रमुक ने क्यों बनाए रखे कांग्रेस से संबंध : अन्नाद्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक के राज्यसभा सदस्य आई. एस. इनबादुरई ने शुक्रवार को सवाल किया कि द्रमुक के दिवंगत नेता एम. करुणानिधि ने कांग्रेस की कड़ी आलोचना की थी, फिर भी द्रमुक ने उसके साथ संबंध क्यों बनाए रखे हैं।

द्रमुक के प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने हाल ही में भाजपा के साथ चुनावी संबंधों को पुनर्जीवित करने के लिए अन्नाद्रमुक पर निशाना साधा था। इससे नाराज इनबादुरई ने कहा, करुणानिधि ही वह व्यक्ति थे जिन्होंने कांग्रेस के साथ पार्टी के चुनावी तालमेल की कड़ी आलोचना करते हुए कहा था कि 'एक खराब दोस्ती आपदा बनकर समाप्त होगी।'

इनबादुरई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में सवाल किया, द्रमुक का ऐसी कांग्रेस के साथ गठबंधन क्यों है ? जवाब दें एम.के. स्टालिन।

पुडुचेरी के आदि द्रविड़ कल्याण मंत्री सरवनन कुमार ने त्यागपत्र दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी के आदि द्रविड़ कल्याण मंत्री ए के साई जे सरवनन कुमार ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया और कहा कि वह भाजपा विधायक बने रहेंगे। इसके अलावा, तीन मनोनीत विधायकों के वेंकटेशन, वी पी रामलिंगम और आर बी अशोक बाबू ने भी अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। विधानसभा में ओसुडु (आरक्षित) निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले कुमार ने यहां मुख्यमंत्री एन रंगासामी के कार्यालय में अपना त्यागपत्र सौंपा।

उपराज्यपाल के कैलाशनाथन से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। पुडुचेरी में रंगासामी की अगुवाई में एआईएनआरसी-भाजपा गठबंधन की सरकार है। केंद्र शासित प्रदेश में मंत्रिमंडल सदस्यों की संख्या छह से घटकर अब पांच रह गई है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)आलाकमान से निर्देश मिलने के बाद जल्द ही मौजूदा अध्यक्ष पर फैसला किया जाएगा। कुमार ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश के बाद उन्होंने अपना पद छोड़ दिया है और पार्टी (भाजपा) के विकास से जुड़े काम को देखेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या वह भाजपा की पुडुचेरी प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ेंगे, उन्होंने कहा, अगर प्रधानमंत्री कहेंगे तो मैं चुनाव लड़ूंगा।'' अध्यक्ष पद के लिए चुनाव यहां 30 जून को होगा।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने पीएमके नेता रामदास से मुलाकात की, गठबंधन पर अटकलें तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विल्लुपुरम। तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) प्रमुख के. सेल्वापेरुन्थगई ने शुक्रवार को तिंडीवनम के निकट पीएमके नेता डॉ. रामदास के थाइलापुरम आवास पर उनसे मुलाकात की। राज्य के दो शीर्ष नेताओं की इस मुलाकात से अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक गठबंधन की अटकलें फिर से तेज हो गईं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि गठबंधन पर फैसला लेने का अधिकार उनके पास नहीं है और केवल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ही इस पर फैसला कर सकते हैं।

सेल्वापेरुन्थगई ने पीएमके संस्थापक-अध्यक्ष के थाइलापुरम आवास से बाहर निकलते हुए संवाददाताओं से कहा, आप गठबंधन के बारे में क्यों जोर दे रहे हैं? मैं यहां डॉ. रामदास से मिलने और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने आया हूं। हमने राजनीति पर चर्चा नहीं की। सेल्वापेरुन्थगई ने कहा कि द्रमुक गठबंधन बरकरार है और यह 2026 में फिर से सरकार बनाएगा।

टीएनसीसी प्रमुख ने जोर देकर कहा, मैं गठबंधन के बारे में बात करने के लिए नहीं मिला था। इस बारे में हमारे गठबंधन के नेता स्टालिन को तय करना है। मैं यहां उनके (डॉ. रामदास) स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने आया था।

उन्होंने तमिलनाडु के मदुरै में मुरुगन अनुयाइयों के सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई का अपमान' करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और हिंदू मुन्नानी के खिलाफ आवाज नहीं उठाने के लिए विपक्षी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की आलोचना की।

जेएसके फिल्म प्रमाणन : केरल उच्च न्यायालय ने सीबीएफसी से पूछा, 'जानकी' नाम में क्या गड़बड़ है

कोच्चि/भाषा। केरल उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को फिल्म प्रमाणन बोर्ड से पूछा कि 'जानकी' नाम में क्या गड़बड़ है। इसके साथ ही अदालत ने बोर्ड को सुरेश गोपी-अभिनीत फिल्म ''जानकी बनाम केरल राज्य'' (जेएसके) के संबंध में अपनी संशोधन समिति के निर्णय को 30 जून को लिखित रूप में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति एन. नागरेश ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा फिल्म प्रमाणन में देरी के खिलाफ प्रोडक्शन कंपनी 'कॉसमॉस एंटरटेनमेंट' की याचिका पर मौखिक टिप्पणी की तथा निर्देश जारी किया। अदालत ने याचिका की सुनवाई के दौरान सीबीएफसी के वकील से पूछा कि अब 'जानकी' नाम को लेकर क्या समस्या है, जबकि अतीत में जब इस नाम से फिल्में बनी थीं, तो ऐसी कोई समस्या नहीं थी। अदालत ने फिल्म निर्माताओं से यह भी पूछा कि उन्होंने संशोधन समिति के निर्णय के अनुसार बोर्ड के कारण बताओ नोटिस'' का जवाब क्यों नहीं दिया। इस मामले की अगली सुनवाई 30 जून को तय की गई है। सूत्रों के अनुसार, सीबीएफसी की संशोधन समिति ने 'जेएसके' के निर्माताओं को मौखिक रूप से निर्देश दिया था कि वे मुख्य पात्र का नाम बदल दें, क्योंकि जानकी देवी सीता का दूसरा नाम है।

मलयालम फिल्म हस्तियां सीबीएफसी कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगी

कोच्चि/भाषा। फिल्म 'जानकी वर्सेज स्टेट ऑफ केरला' को प्रमाण पत्र देने से इनकार करने के फैसले के खिलाफ विभिन्न फिल्म संगठनों से जुड़ी फिल्मी हस्तियां सोमवार को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के कार्यालय के सामने धरना देंगी। सीबीएफसी की पुनरीक्षण समिति ने सुरेश गोपी अभिनीत फिल्म के निर्माताओं को मौखिक रूप से निर्देश दिया था कि वे मुख्य पात्र का नाम बदल दें क्योंकि जानकी देवी सीता का दूसरा नाम है।

केरल फिल्म कर्मचारी संघ (एफईएफकेए) के महासचिव बी उन्नीकृष्णन ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि पूरे फिल्म जगत से जुड़े लोग तिरुवनंतपुरम में सीबीएफसी कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। उन्नीकृष्णन ने सीबीएफसी के फैसले को 'मनमाना' करार देते हुए आश्चर्य जताया कि सेंसर बोर्ड की क्षेत्रीय शाखा द्वारा फिल्म को मंजूरी दिए जाने के बाद नाम बदलने का सुझाव क्यों दिया जा रहा है। फिल्म को 'यू/ए' प्रमाणपत्र दिया गया था और इसे मुंबई में सीबीएफसी कार्यालय भेजा गया था, जहां से बदलाव का सुझाव दिया गया। उन्होंने कहा, हम इस तरह के फैसले की मंशा को नहीं समझ पा रहे हैं। उन्नीकृष्णन ने कहा कि इससे पहले भी निर्देशक एमबी पद्मकुमार की फिल्म 'टोकन नंबर' को महिला किरदार का नाम जानकी से बदलकर जयंती करने के बाद ही रिलीज के लिए मंजूरी दी गयी थी। उन्नीकृष्णन ने कहा कि सेंसर बोर्ड द्वारा पास किए गए फिल्म के टीजर और ट्रेलर पिछले एक महीने से सिनेमाघरों में दिखाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि इससे कोई सांप्रदायिक वैमनस्य उत्पन्न हुआ है या नहीं। फिल्म के निर्देशक प्रवीण नारायणन ने बृहस्पतिवार को 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में प्रमाणन प्राप्त करने के लिए मुख्य चरित्र का नाम बदले जाने की बात कहे जाने की पुष्टि की। इस बीच केरल उच्च न्यायालय ने सेंसर बोर्ड को अपने फैसले के बारे में शुक्रवार को अदालत को अवगत कराने का निर्देश दिया।

केरल में इमारत ढहने से तीन प्रवासी मजदूरों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर/भाषा। केरल के त्रिशूर जिले के कोडकारा इलाके में शुक्रवार की सुबह एक पुरानी इमारत ढह जाने से उसमें रह रहे तीन प्रवासी मजदूरों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह हादसा उस समय हुआ जब सभी मजदूर काम पर जाने की तैयारी कर रहे थे। घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों एवं दमकल तथा बचाव सेवाओं के अधिकारियों के अनुसार, इमारत में 17 प्रवासी श्रमिक रह रहे थे, जिनमें से 14 इमारत से सुरक्षित बाहर निकल गये। पुलिस के अनुसार, यह घटना सुबह करीब छह बजे घटी और पूरे बचाव अभियान में करीब ढाई घंटे का समय लगा।

श्रम विभाग ने जांच के आदेश दिए

राज्य के श्रम मंत्री वी. शिवनकुट्टी के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि श्रम मंत्री ने श्रम आयुक्त को घटना की विस्तृत जांच करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। बयान में यह भी कहा गया है कि विभाग श्रमिकों के पार्थिव शरीर को उनके मूल स्थानों पर वापस भेजने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर पोस्ट में घटना को दुखद बताया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। अभियान का ब्यौरा देते हुए अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने पहले बताया था कि मलबे में दबे दो लोगों को जल्दी बचाया जा सका क्योंकि वे सतह के करीब थे। अधिकारी ने बताया कि तीसरे व्यक्ति को बाहर निकालने में अधिक समय लगा, क्योंकि वह कंक्रीट के बड़े-बड़े स्लैबों सहित मलबे के नीचे दबा हुआ था। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान में तीन इकाइयां तैनात की गई थीं। टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों के अनुसार, मलबा हटाने और पीड़ितों को बचाने के लिए कई अग्निशमन एवं बचाव कर्मियों तथा कुछ जेसीबी की मदद ली गई। पुलिस ने बताया कि पहले दो लोगों की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

केरल में नशे के आदी बेटे ने की मां की हत्या

कोट्टायम/भाषा। केरल में नशे के आदी 26 वर्षीय युवक ने घर के बाहर खाना बनाते समय हुए विवाद में अपनी मां की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह घटना बृहस्पतिवार रात को पल्लीकाथोडु के पास एक गांव में घटी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान 46 वर्षीय सिंधु के रूप में हुई है, जो अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए लॉटरी टिकट बेचती थी। सिंधु का बेटा अरविंद कथित तौर पर नशे की लत से जूझ रहा था और उसका इलाज किया जा रहा था। अरविंद पहले जेसीबी चालक था।

पुलिस के अनुसार, जिस समय यह घटना हुई उस समय घर पर केवल मां और बेटा ही थे। पुलिस ने बताया कि शोर सुनकर पड़ोसी दौड़े और देखा कि अरविंद अपनी मां के शव के पास बैठा है। पुलिस ने कहा कि अरविंद को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। सिंधु का छोटा बेटा अलप्पुझा में पढ़ाई कर रहा है। पुलिस ने बताया कि सिंधु के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

केरल के स्कूलों में जुम्बा नृत्य कार्यक्रम का मुस्लिम समूहों ने विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में नशा-विरोधी अभियान के तहत सामान्य शिक्षा विभाग की ओर से स्कूलों में शुरू किए गए जुम्बा नृत्य कार्यक्रम का कुछ मुस्लिम समूहों ने यह कहकर विरोध किया कि यह (जुम्बा) नैतिक मूल्यों के खिलाफ है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के निर्देश के बाद स्कूलों में यह कार्यक्रम शुरू किया गया था।

विजयन ने कहा था कि जीवंत संगीत के साथ नृत्य और एरोबिक अभ्यास के संयोजन वाले इस नृत्य से स्कूली बच्चों में तनाव कम करने में मदद मिलेगी और युवाओं के नशे की लत के शिकार होने के खतरे पर लगाम लगेगी। कई स्कूलों ने इसी शैक्षणिक वर्ष से जुम्बा प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया है।

'समस्त केरल सुन्नी युवाजन संघम' (एसवाईएस) के राज्य सचिव अब्दुस्समद पुक्कोट्टूर ने शुक्रवार को एक फेसबुक पोस्ट में राज्य सरकार की पहल के खिलाफ विरोध जताते हुए दावा किया, जुम्बा नृत्य नैतिक मूल्यों के विरुद्ध है।'' उन्होंने अभिभावकों से इस फिटनेस कार्यक्रम के बारे में अधिक गंभीरता से सोचने का आग्रह किया। एसवाईएस केरल में एक प्रमुख सुन्नी मुस्लिम विद्वान निकाय समस्त केरल जमीयतुल उलमा की युवा शाखा है।

राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदू ने इस पहल का समर्थन करते हुए कहा कि जुम्बा मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देकर बच्चों और आम जनता दोनों को लाभ पहुंचाता है। विवाद के बारे में पूछे जाने पर बिंदू ने संवाददाताओं से कहा, हम 21वीं सदी में प्रवेश कर चुके हैं, यह 2025 है। हम 19वीं सदी या आदिम मध्यकालीन काल में नहीं रह रहे हैं। सभी को समय के अनुसार सोचना चाहिए।

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) की छात्र शाखा मुस्लिम स्टूडेंट्स फेडरेशन (एमएसएफ) ने उचित अध्ययन के बिना कार्यक्रम शुरू करने के लिए सरकार की आलोचना की। एमएसएफ के प्रदेश अध्यक्ष पीके नवास ने पूछा, जब स्कूलों में ऐसा कार्यक्रम शुरू किया जाता है, तो गहन और विश्वसनीय अध्ययन किया जाना चाहिए। क्या सामान्य शिक्षा विभाग ने इसे लागू करने से पहले कोई अध्ययन किया या छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ चर्चा की?

विजडम इस्लामिक संगठन के महासचिव टीके अशरफ ने कहा कि एक शिक्षक के रूप में उन्होंने नशा-विरोधी अभियान के तहत स्कूलों में जुम्बा अनिवार्य करने के निर्देश को लागू करने से पीछे हटने का फैसला किया है। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा, मेरा बेटा भी इस कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लेगा। मैं इस मामले में विभाग की ओर से की जाने वाली किसी भी कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार हूं।

अशरफ ने कहा कि ''उन्होंने अपने बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए सरकारी स्कूल में दाखिला दिलाया है, ऐसी संस्कृति सीखने के लिए नहीं, जहां लड़के और लड़कियां कम कपड़े पहनकर संगीत की लय पर एक साथ नृत्य करते हैं।'' उन्होंने दावा किया कि कई शिक्षक, छात्र और अभिभावक भी इस कार्यक्रम से असहमत हैं, लेकिन संभावित परिणामों के डर से चुप रहना बेहतर समझते हैं।

भारत माता के सामने गौण हैं राजभवन, सरकार : कुरियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पतनमतिट्टा/भाषा। केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने शुक्रवार को कहा कि भारत माता के विचार के सामने सब कुछ गौण है। उनकी यह टिप्पणी केरल राजभवन के आधिकारिक समारोहों में राष्ट्र की भगवा झंडे के साथ माता के रूप में तस्वीर प्रदर्शित करने को लेकर उठे विवाद के बीच आई है।

पतनमतिट्टा में संवाददाताओं से मुखातिब कुरियन ने कहा कि राजभवन और सरकार में बैठे लोग भारत माता के सामने गौण हैं। केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री ने कांग्रेस और वामपंथी दलों-मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) को भारत माता की जय' के नारे पर रोक लगाने का प्रयास करने की चुनौती दी। कुरियन ने कहा, आपको (कांग्रेस और वाम दलों को) देश की रक्षा करने वाले जवानों से कहना चाहिए कि भारत माता की जरूरत नहीं है। यह पूछे जाने पर कि भारत माता का कौन-सा चित्र सही है-तिरंगे वाला या भगवा झंडे वाला-कुरियन ने कहा, आप जो चाहें उसे ले लें। केंद्रीय मंत्री ने सवाल किया कि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर जिस चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, उससे उन्हें क्या समस्या है। कुरियन ने कहा कि तिरंगे से पहले भारत में जिस झंडे का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता था, वह शिवाजी का झंडा था। उन्होंने पूछा, ऐसे में अगर वह झंडा फहराया जाता है, तो इसमें क्या गलत है? क्या यह असंवैधानिक है?

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अदालतों में न्याय की देवी एक यूनानी देवी है और अगर इसे लेकर कोई समस्या नहीं है, तो भारत माता को लेकर क्यों आपत्ति है? केरल में 'भारत माता' विवाद उस समय शुरू हुआ, जब राज्यपाल ने राजभवन में पर्यावरण दिवस कार्यक्रम में भारत माता का वह चित्र प्रदर्शित किया, जो आमतौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रमों में देखा जाता है। इसके चलते राज्य के कृषि मंत्री पी प्रसाद ने कार्यक्रम का बहिष्कार किया था और राज्यपाल ने कहा था कि भारत माता के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। तब से आर्लेकर राजभवन में आयोजित सभी कार्यक्रमों में इस चित्र को प्रदर्शित कर रहे हैं, जिसमें स्काउट और गाइड को प्रमाण पत्र देने से जुड़ा कार्यक्रम भी शामिल है। इसके चलते राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी इस कार्यक्रम से बाहर चले गए थे। केरल के मुख्यमंत्री और कई मंत्रियों ने कहा है कि सरकारी कार्यक्रमों में केवल आधिकारिक या अधिकृत प्रतीकों, चिह्नों या चित्रों का ही इस्तेमाल किया जा सकता है।

नाबालिग बेटियों से दुष्कर्म के आरोप में पिता गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पुलिस ने अपनी दो नाबालिग बेटियों से दुष्कर्म करने के आरोप में यहां एक व्यक्ति को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गुप्त कैमरे से लड़कियों और उनकी मां का बयान दर्ज करने के बाद प्राथमिकी दर्ज की। महिला ने समाज और पति के डर से मामला दर्ज कराने से इनकार कर दिया था। सदर थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर मामले की जांच वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को सौंपी गई।

पुलिस उपायुक्त अमित कुमार ने 'पीटीआई- भाषा' को बताया, 20 जून को एक महिला अपनी दो बेटियों के पेट में दर्द रहने की शिकायत के साथ अस्पताल पहुंची। दोनों की हालत खराब थी। महिला ने डॉक्टर को बताया कि दोनों बच्चियां पेट दर्द और मानसिक तनाव की शिकायत कर रही थीं। डॉक्टर ने पूछताछ की तो सच्चाई सामने आ गई।

उन्होंने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि 21 जून को बाल श्रम और बाल यौन हिंसा के खिलाफ काम करने वाली संस्था 'एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन' को आसरा फाउंडेशन से सूचना मिली कि एक महिला अपनी बेटियों के साथ हुए यौन शोषण की घटना के बारे में बताना चाहती है।

कुमार के अनुसार इस पर संस्थान ने महिला से संपर्क किया और महिला तथा नाबालिग लड़कियों को सुरक्षित जगह पर ले जाकर उनकी काउंसलिंग की गई। काउंसलिंग में पता चला कि नाबालिग लड़कियों के साथ उनके पिता ने ही दुष्कर्म किया है।

उन्होंने कहा कि काउंसलिंग की वीडियोग्राफी गुप्त कैमरे से कराई क्योंकि महिला ने मामला दर्ज कराने से इनकार कर दिया था। एनजीओ की रिपोर्ट और काउंसलिंग में पर्याप्त सबूत मिलने के बाद पुलिस ने खुद सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज की। बयानों के बाद लड़कियों की मेडिकल बोर्ड से जांच कराई गई। लड़कियों की मेडिकल रिपोर्ट में तथ्यों की पुष्टि होने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में पता चला है कि आरोपी पिछले पांच साल से अपनी नाबालिग बेटियों के साथ दुष्कर्म कर रहा था।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से बढ़ेगी कृषि उत्पादकता : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हम प्रदेश की आधारभूत संरचना, शिक्षा, कृषि और उद्योग क्षेत्र में नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए ठोस और दीर्घकालिक बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि में एआई के उपयोग से किसानों की उत्पादकता बढ़ेगी, युवा अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगारपरक बनेंगे तथा निवेश अनुकूल औद्योगिक वातावरण से प्रदेश में उद्योग के परिदृश्य में अभूतपूर्व सकारात्मक बदलाव आएगा।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर कृषिगत सुधार, मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने तथा युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खेती में एआई को बढ़ावा देने के लिए हमने इस वर्ष के बजट में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन एग्रीकल्चर' की स्थापना की घोषणा की है। इसके माध्यम से आधुनिक तकनीक का उपयोग कर इस क्षेत्र की चुनौतियों को दूर किया जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कृषि क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण को बढ़ाया जाए जिससे कृषि में गुणात्मक वृद्धि हो सके तथा युवाओं के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर भी उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेशकों के लिए अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन, उद्योग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न नीतियां लागू करना, सिंगल विण्डो प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन जैसे निर्णयों से प्रदेश में निवेश अनुकूल औद्योगिक वातावरण तैयार किया गया है। इसी क्रम में प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाने और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए राजस्थान लॉजिस्टिक पॉलिसी- 2025 लागू की गई है। उन्होंने कहा कि बजट वर्ष 2025-26 में डीएमआईसी (दिल्ली मुम्बई इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर) से लिंक करते हुए लॉजिस्टिक पार्क स्थापित किए जाने की घोषणा की गई है, जो राज्य की लॉजिस्टिक्स क्षमता को नई ऊंचाइयां देगा।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को 'फ्यूचर रेडी- इंडस्ट्री रेडी' बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि युवाओं को विश्व स्तरीय रोजगारपरक प्रशिक्षण देने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। बैठक में राज्य में कृषि के क्षेत्र में एआई आधारित सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्थापित करने, शिक्षा के क्षेत्र में पॉलिटेक्निक स्किल डेवलपमेंट सेंटर तथा मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने के संबंध में प्रस्तुतीकरण भी दिया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के बीच पहुंचे नेत्रहीन दंपति को शिक्षा मंत्री ने दिया सहारा, इच्छित स्थान पर दी पोस्टिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीगंगानगर। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक नेत्रहीन दंपति की इच्छा पूरी की। उन्होंने बैठक के बीच पहुंचे दंपति को उनके इच्छित स्थान पर पदस्थापना देकर बड़ी राहत पहुंचाई। यह घटना उस समय की है जब शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पंचायती राज विभाग के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक ले रहे थे। तभी अचानक एक नेत्रहीन दंपति मंत्री दिलावर से मिलने के लिए बैठक कक्ष में आ गए। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन मंत्री दिलावर ने हस्तक्षेप करते हुए दोनों को अंदर बुला लिया और उनकी समस्या पूछी। नेत्रहीन दीपक कुमार ने मंत्री को बताया कि वे श्रीगंगानगर जिले के निवासी हैं। वर्तमान में वे शिक्षा विभाग में अध्यापक लेवल प्रथम (विशेष शिक्षा वीआई) के पद पर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जगमाल का ताला, ग्राम पंचायत मांगता, ब्लॉक धोरीमना, जिला बाड़मेर में पदस्थापित हैं। यह स्थान उनके गृह जिले श्रीगंगानगर से लगभग 700 किलोमीटर दूर है।

दीपक कुमार ने बताया कि इतनी लंबी दूरी के कारण उन्हें घर आने-जाने में भारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, खासकर जब उनकी पत्नी भी 100 प्रतिशत नेत्रहीन हैं। बाड़मेर में सेवा देना उनके लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो गया था। मंत्री दिलावर ने सहानुभूतिपूर्वक दीपक कुमार से पूछा कि वे कहाँ पदस्थापित होना चाहते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि उन्हें उनके इच्छित स्थान पर ही लगाया जाएगा। इस पर दीपक कुमार ने राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय, अशोकनगर, जिला श्रीगंगानगर का नाम सुझाया, जो उनके घर के नजदीक है। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने बिना देर किए, तत्काल दीपक कुमार को उनके घर के नजदीक, राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय, अशोकनगर, श्रीगंगानगर में पदस्थापित करने के आदेश जारी कर दिए।

बैठक में उपस्थित मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, श्रीगंगानगर को भी निर्देश दिए गए कि वे दीपक कुमार को श्रीगंगानगर में पोस्टिंग दिलवाने और बाड़मेर में उनके वर्तमान पदस्थापना स्थान से रिलीव करने की प्रक्रिया में पूरी मदद करें। अपनी इच्छित स्थान पर पदस्थापना मिलने से नेत्रहीन दंपति ने शिक्षा मंत्री का हार्दिक आभार व्यक्त किया। यह घटना मंत्री की मानवीय संवेदना और जरूरतमंदों के प्रति उनके त्वरित एक्शन को दर्शाती है।

अशोक गहलोत ने भाजपा पर दूसरे दलों की सरकारों को अस्थिर करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राजनीतिक खरीद-फरोख्त का सहारा लेने और दूसरे दलों की निर्वाचित राज्य सरकारों को अस्थिर करने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया। जोधपुर के पांच दिवसीय दौरे पर आए गहलोत ने अपने आरोप को दोहराया कि भाजपा ने उनके कार्यकाल के दौरान राजस्थान सरकार को गिराने का असफल प्रयास किया। गहलोत ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा, उन्होंने मध्यप्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में सरकारें गिरा दीं, लेकिन राजस्थान में विफल रहे। उन्होंने हमारी पार्टी के सदस्यों को धन राशि बांटी। मेरे पास इसका सबूत है।

उन्होंने इस साजिश के पीछे तीन केंद्रीय मंत्रियों अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान और गजेंद्र सिंह शेखावत का हाथ होने की बात कही। गहलोत ने दावा किया, अगर आज लोकतंत्र खत्म हो गया, तो इस देश का क्या होगा? उन्होंने राजनीतिक खरीद-फरोख्त और निर्वाचित सरकारों को गिराने का सहारा लिया, ऐसे में लोकतंत्र कैसे कायम रहेगा? विडंबना यह है कि वे संविधान दिवस भी मनाते हैं।

गहलोत के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि जिन्होंने कभी संविधान या इसके निर्माता का सम्मान नहीं किया, वे अब इसे बचाने का ढोंग कर रहे हैं।

मानसून को ध्यान में रखते हुए ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण सुनिश्चित करें : रवि कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (आरएसपीसीबी) के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने मंडल मुख्यालय में पदस्थापित एवं सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रभारी अधिकारियों को निर्देश दिए कि अच्छे मानसून को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन सहित विभिन्न हितधारकों के सहयोग से राज्य सरकार के हरियालो राजस्थान अभियान के तहत ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण सुनिश्चित करें।

डॉ. रवि कुमार सुरपुर शुक्रवार को झालाना में मंडल परिसर स्थित सभागार में राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान एमआईएस 2.0 में उद्योगों के पंजीयन की स्थिति, सीईटीपी और डेटा ट्रांसमिशन से जुड़े स्काडा सिस्टम की कार्यप्रणाली सहित राष्ट्रीय हरित अधिकरण एवं अन्य न्यायालयों के निर्देशों के अनुपालन की स्थिति आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि हितधारकों को नई तकनीकों व कानूनों से अवगत कराने और सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालयों को माह में दो दिवस की कार्यशाला का आयोजन करना चाहिए। इसके लिए गैर सरकारी संगठनों, अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय संगठनों आदि का सहयोग लिया जा सकता है।

डॉ. सुरपुर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित आवेदनों को समयबद्धता के साथ निस्तारित करें ताकि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस के विज़न में मंडल अपनी सार्थक भूमिका निभा सकें।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों को नियमित रूप से निरीक्षण करना चाहिए तथा विभिन्न विभागों और जिला प्रशासन के सहयोग से कार्य को सुनिश्चित करना चाहिए।

बैठक का संचालन आरएसपीसीबी के सदस्य सचिव श्री शारदा प्रताप सिंह ने किया। उन्होंने आरएसपीसीबी अध्यक्ष को अवगत कराया कि मंडल ने गत वर्ष 14.30 लाख से अधिक पौधारोपण किया है तथा इस वर्ष भी मंडल राज्य सरकार द्वारा तय लक्ष्यों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है।

समस्याओं का समाधान ही असली सुशासन : जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जन संवाद को सशक्त बनाने और शासन को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा लोकहित में संचालित जनसुनवाई के तहत शुक्रवार को सर्किट हाउस, जोधपुर में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने आम नागरिकों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं। उन्होंने सभी प्रस्तुत प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

पटेल ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वर्तमान सरकार एक उत्तरदायी, पारदर्शी और संवेदनशील प्रशासन के लिए कटिबद्ध है, जिसका उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई केवल संवाद का जरिया नहीं, बल्कि सुशासन की आधारशिला है, जिसमें नागरिकों की भागीदारी और विश्वास सर्वोपरि है। मंत्री पटेल ने उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की सफलता तभी मानी जाएगी जब समस्याओं का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान हो। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल आदेशों के अनुपालक नहीं, बल्कि शासन की नीतियों के संवाहक भी हैं और जनता की सेवा में उनके व्यवहार में संवेदनशीलता, तत्परता व उत्तरदायित्व का भाव झलकना चाहिए।

जनसुनवाई के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मंत्री पटेल ने कहा कि यह लोकतंत्र की आत्मा को जीवंत बनाए रखने का मंच है। जनसुनवाई, सरकार और नागरिकों के बीच मजबूत संवाद का माध्यम है। इससे नागरिकों में यह विश्वास पनपता है कि सरकार उनकी बात सुनती है, समझती है और समाधान की दिशा में कार्य करती है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, बिजली, सड़क, सामाजिक सुरक्षा और राजस्व जैसी आवश्यक सेवाएं प्रत्येक व्यक्ति को सुगमता से उपलब्ध हों।

कार्यक्रम के दौरान उच्च शिक्षा, पंचायती राज, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, राजस्व, पीडब्ल्यूडी, बिजली वितरण, स्वायत्त शासन, पेयजल आदि विभागों से जुड़ी अनेक शिकायतें प्राप्त हुईं। मंत्री पटेल ने सभी प्रकरणों को व्यक्तिगत रूप से सुना, वस्तुस्थिति जानी और अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश जारी किए कि समाधान निष्पक्ष, त्वरित और जन संतोष के अनुरूप हो।

प्रदेश में मॉनसून मेहरबान, जयपुर सहित कई जिलों में बारिश

जयपुर। प्रदेश में कई जिलों में मॉनसून सक्रिय होने से बारिश का दौर जारी है। आज भी सुबह जयपुर, सीकर, अलवर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, कोटा समेत कई इलाकों में बारिश हुई। बूंदी, सिरोही, डूंगरपुर में बिजली गिरने से महिला-बच्चे-युवक की मौत हो गई। डूंगरपुर में गड्ढे में गिरने से एक बच्ची की जान चली गई। मौसम विभाग ने आज भी 21 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। टोंक के बीसलपुर बांध में पानी की आवक जारी है। शुक्रवार सुबह 6 बजे बांध का जलस्तर 2 सेमी बढ़कर गेज 312.57 आर एल मीटर हो गया है। बांसवाड़ा में सुरवानिया बांध के 4 गेट खोल दिए गए। वहीं, दानपुर में 50 फीट ऊंचा सिंगपुरा झरना पहली बार जून में बहने लगा। बांसवाड़ा में पुलिया पार करते समय दो युवक बाइक समेत बह गए। एक युवक तो जैसे-तैसे पानी से बाहर आ गया, लेकिन उसका साथी बह गया। एसडीआरएफ, पुलिस टीम युवक की तलाश कर रही है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान में मॉनसून ने आगे बढ़ते हुए गंगानगर, बीकानेर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, चूरू जिलों में प्रवेश कर लिया।

जयपुर में गुरुवार रात से अलग-अलग जगह तेज तो कहीं मध्यम बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश बस्सी में 113 चच दर्ज हुई है। जमवारामगढ़ में 68, आमेर में 29, कलेक्ट्रेट में 28 एमएम बारिश हुई है।

हर पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता : महाजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग की 'नो वोटर लेफ्ट बिहाइंड' पहल के तहत 18 वर्ष पूर्ण कर रहे पात्र नागरिकों को मतदाता के रूप में पंजीकृत करने के लिए राज्य निर्वाचन विभाग द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में स्टेट स्टीयरिंग कमिटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन की बैठक आयोजित की गई।

महाजन ने कहा कि राज्य निर्वाचन विभाग सभी मतदाताओं, विशेषकर दिव्यांगजन को सुगम और समावेशी मतदान अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। दिव्यांग मतदाताओं के मतदान केंद्र तक आसान पहुँच सुनिश्चित करने हेतु विशेष व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। इसमें व्हीलचेयर, रैम्प, ऑडियो-विजुअल गाइडेंस सहित विभिन्न आवश्यक सुविधाएँ सम्मिलित हैं, जिससे सभी मतदाता निर्बाध रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि नव मतदाताओं को जोड़ने और उन्हें जागरूक करने के उद्देश्य से कॉलेजों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब्स की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चिकित्सा, सामाजिक न्याय, उच्च शिक्षा सहित विभिन्न विभागों को निर्देश दिए कि वे अपनी वेबसाइट पर वोटर रजिस्ट्रेशन पोर्टल का लिंक अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें। साथ ही, विभागों द्वारा नागरिकों से प्राप्त किए जाने वाले आवेदन प्रपत्रों में मतदाता पंजीकरण से संबंधित विकल्प भी सम्मिलित किया जाए, ताकि पात्र नागरिकों की जानकारी प्राप्त कर उन्हें वोटर बनाया जा सके।

महाजन ने कहा कि दिव्यांग मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने हेतु राज्य, जिला एवं कॉलेज स्तर पर दिव्यांग आइकन्स को ब्रांड एम्बेसडर के रूप में नामित किया जाए। इसके माध्यम से दिव्यांगजनों में मतदान के प्रति जागरूकता और सहभागिता को बढ़ावा दिया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं और प्रसिद्ध व्यक्तित्वों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान से जोड़ा जाए और उनसे आग्रह किया जाए कि वे मतदान के महत्व को जन-जन तक पहुँचाएं।

मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के छापों की गूंज दिल्ली तक, शिवराज बोले- कानून बनेगा, माफिया जाएगा जेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की अगुवाई में नकली खाद और बीज के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ने अब राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा का विषय बना लिया है। राज्यभर में मिलावटी खाद और नकली बीज बनाने व बेचने वाली कंपनियों पर की जा रही सख्त कार्रवाई का जिक्र अब दिल्ली तक हो रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी इस कार्रवाई की सराहना की है और संकेत दिए हैं कि जल्द ही केंद्र सरकार भी इस दिशा में कड़े कदम उठाएगी।

दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, राजस्थान में जैसे छापे पड़े हैं, वैसी ही कार्रवाई अब देशभर में होगी। जो भी नकली खाद और बीज बनाएगा, उसे किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार किसानों से बातचीत कर इस समस्या पर कानून बनाने की तैयारी कर रही है। साथ ही उन्होंने तकनीकी समाधान की बात करते हुए कहा कि किसानों को ऐसे उपकरण उपलब्ध कराए जाने चाहिए, जिससे वे खुद भी नकली और असली खाद-बीज की पहचान कर सकें। शिवराज सिंह चौहान ने कृषि उत्पादकता को लेकर चिंता जताते हुए कहा, तकनीक और मैनेजमेंट के बावजूद हमारी उत्पादकता में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हो रही है। इसका एक बड़ा कारण मिलावटी और घटिया गुणवत्ता वाले इनपुट्स हो सकते हैं। राजस्थान में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बीकानेर, उदयपुर और अन्य जिलों में छापेमारी कर कई कंपनियों को जांच के घेरे में लिया है। इस कार्रवाई का असर अब दिखने लगा है। मंत्री के निर्देश पर किशनगढ़ की 13 फर्टिलाइजर कंपनियों का लाइसेंस 14 दिन के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। इन कंपनियों से जवाब तलब किया गया है। यदि ये कंपनियां तय समय पर संतोषजनक जवाब नहीं दे सकीं, तो उनके लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द कर दिए जाएंगे।

डॉ. मीणा ने कृषि विभाग के निरीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखें। अवैध बिक्री, स्टॉकिंग या उत्पादन की सूचना मिलते ही तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उनका स्पष्ट संदेश है कि किसानों की मेहनत के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

असम में पिछले सप्ताह हुए विस्फोट के संदिग्ध गिरफ्तार; तीन शहरों में हमले नाकाम: मुख्यमंत्री हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि पिछले सप्ताह बोकाखाट में हुए धमाके सहित राज्य के चार प्रमुख स्थानों पर विस्फोट करने के लिए जिम्मेदार सभी संदिग्धों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और उनके पास रखे ग्रेनेड भी बरामद कर लिए हैं।

शर्मा ने कहा कि इसका 'मुख्य साजिशकर्ता' अब भी फरार है, हालांकि पुलिस ने उसका पता लगा लिया है और उसे जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

बोकाखाट स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शिविर पर 24 जून को मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने ग्रेनेड से हमला किया था और इस हमले में शिविर में मौजूद पुलिस के तीन कर्मी घायल हो गए थे। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा, ''बोकाखाट, गुवाहाटी, तेजपुर और लखीमपुर में विस्फोट करने की साजिश थी। पुलिस ने उन सभी लोगों को गिरफ्तार कर लिया है जो इन विस्फोटों को अंजाम देने वाले थे।'' उन्होंने बताया कि विस्फोटों के लिए इस्तेमाल किए गए तीन ग्रेनेड और एक पिस्तौल को आरोपियों के घरों से बरामद कर लिया गया है।

शर्मा ने कहा कि इस साजिश और हमले में आतंकवादियों का नहीं बल्कि 'आपराधिक मानसिकता वाले' लोगों का हाथ है। उन्होंने कहा, ''इन लोगों को हमले के लिए किसने उकसाया था यह जानने के लिए जांच जारी है। वे इस समय विरोधाभासी बयान दे रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोग स्पष्ट रूप से किसी उग्रवादी संगठन के सदस्य नहीं हैं, हालांकि उनमें से एक उल्फा के साथ था लेकिन वह लंबे समय तक जेल में रहा था।

एमएसएमई इकाइयां 'आत्मनिर्भर' भारत का आधार : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग) दिवस पर सभी उद्यमियों को बधाई देते हुए कहा कि एमएसएमई इकाइयां 'आत्मनिर्भर' भारत का आधार हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने न सिर्फ उद्यमियों की उपेक्षा की, बल्कि जातीय संघर्षों को बढ़ावा देने का कार्य भी किया।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर यहां लोकभवन में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले आठ वर्ष में डबल इंजन की सरकार ने हर एक क्षेत्र में लीक से अलग हटकर कुछ नया करने का प्रयास किया है और प्रदेश के प्रति लोगों की धारणा में आया बदलाव इसी का परिणाम है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, एमएसएमई इकाइयां 'आत्मनिर्भर भारत' का आधार हैं। ...अपने अथक परिश्रम से प्रदेश को आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर कर रहे सभी उद्यमियों को एमएसएमई दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!

मुख्यमंत्री ने विपक्ष की सरकारों पर आरोप लगाया कि उनकी जातीय संघर्ष करवाकर परिवारवाद के नाम पर 'एक जनपद-एक माफिया' देने की उपलब्धि रही है, जिसके कारण उत्तर प्रदेश के नौजवानों और नागरिकों के सामने पहचान का संकट खड़ा हुआ था।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने केंद्र और राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकारों की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि आज... डबल इंजन की सरकार ने आपको 'एक जिला-एक उत्पाद' देकर राज्य को उसकी विरासत से जोड़ा है, जो इसे एक नई पहचान दे रहा है।

योगी ने कहा कि इसके जरिये उत्तर प्रदेश के उत्पाद को एक नई मान्यता मिलकर वैश्विक निर्यात के नए रास्ते खुल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, 2017 के पहले राज्य से कुल निर्यात 80 से 85 हजार करोड़ के बीच था और आज दो लाख करोड़ रुपए से अधिक का निर्यात हो रहा है।

इस मौके पर योगी ने 'सीएम युवा योजना' के मोबाइल ऐप की शुरुआत की। इसके अलावा उन्होंने बरेली एवं मुरादाबाद में ओडीओपी (एक जिला-एक उत्पाद) परियोजना तथा लखनऊ के किसान बाजार में नवोन्मेष व उद्यमिता के प्रोत्साहन के लिए 'यूथ अड्डा' का लोकार्पण भी किया। उन्होंने अवस्थापना सुविधाओं एवं औद्योगिक आस्थान ख्यामई (अलीगढ़) के आवंटियों को आवंटन पत्र दिया तथा एमएसएमई इकाइयों, सीएम युवा तथा विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं के लाभार्थियों को चेक और ओडीओपी के लाभार्थियों को टूल किट वितरित कीं। 'यूथ अड्डा' को 'उत्तर प्रदेश इंडस्ट्रियल कंसल्टेंट्स लिमिटेड' (यूपीकॉन) ने नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया है। यह मंच सभी जातियों और समुदायों के युवाओं को अपने व्यावसायिक विचार साझा करने, बैंकों से ऋण सहायता प्राप्त करने और अनुभवी मार्गदर्शकों से मार्गदर्शन लेने का अवसर प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा ऐप सभी समुदायों के युवाओं को बिना किसी जातिगत भेदभाव के प्रशिक्षण, ऋण, और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करेगा। यह ऐप सुनिश्चित करेगा कि कोई भी युवा सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने के लिए मजबूर न हो।

उत्तर प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयों में दो करोड़ से अधिक लोग कार्यरत हैं।

बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का विरोध किया जाएगा : 'इंडि' गठबंधन के नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन ने राज्य विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में गहन पुनरीक्षण के प्रस्ताव का शुक्रवार को कड़ा विरोध किया।

यहां संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में राजद नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा और भाकपा (माले) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य सहित अन्य नेताओं ने कहा कि बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का विरोध किया जाएगा। पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया, ''हमें संदेह है कि इस कवायद का उद्देश्य, जिसमें मतदाताओं से ऐसे दस्तावेज मांगे जा रहे हैं जो कम लोगों के पास हो सकते हैं, बड़ी संख्या में लोगों को मताधिकार से वंचित करना है, विशेष रूप से समाज के वंचित वर्गों को।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''एक बार जब नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे, तो अगला कदम इन लोगों को सामाजिक कल्याण योजनाओं के लाभ से वंचित करना हो सकता है।'' तेजस्वी ने कहा, ''निर्वाचन आयोग के लिए सिर्फ 25 दिनों में इतनी बड़ी कवायद करना असंभव है, जैसा कि उसने प्रस्तावित किया है। अगर वास्तव में यह संभव है, तो मैं केंद्र को चुनौती देता हूं कि वह दो महीने के भीतर जाति जनगणना कराए।'' खेड़ा ने कहा, ''महात्मा गांधी के तीन बंदरों ने कुछ भी बुरा न देखा, न सुना और न कहा। इसी प्रकार निर्वाचन आयोग कुछ भी सच न देखता है, न सुनता है और न बोलता है।''

ममता ने दीघा के नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर की पहली रथ यात्रा की शुरूआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीघा/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को दीघा के समुद्र तटीय नगर में नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर से निकलने वाली पहली रथ यात्रा की शुरूआत की। 'जय जगन्नाथ' के जयघोष के बीच विदेशियों समेत हजारों श्रद्धालुओं के साथ मुख्यमंत्री ने दोपहर में भगवान जगन्नाथ और उनके भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा के रथों की रस्सियां अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ मिलकर खींचीं।

मुख्यमंत्री ने लाउडस्पीकर के माध्यम से श्रद्धालुओं से अपील की कि वे मुख्य मंदिर से निकलने वाली 750 मीटर लंबी रथयात्रा के दौरान रथों की रस्सियों को वहां लगाये गये अवरोधकों के पीछे से छू सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट कर दिया था कि किसी को भी देवताओं के रथों की रस्सियां खींचने के लिए सड़क पर आने की इजाजत नहीं दी जाएगी। इससे पहले दोपहर में बनर्जी ने तीनों रथों के आगे की सड़क को सुनहरे झाड़ू से साफ किया और पारंपरिक अनुष्ठान के तहत देवताओं की आरती उतारी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) से जुड़े विदेशी भक्तों के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम को भी देखा। लगभग 40 इस्कॉन भक्त, जिनमें से अधिकतर विदेशी थे, रथों के सामने 'हरे राम, हरे कृष्ण' के भक्तिमय मंत्रों के जाप के बीच घंटों नृत्य करते रहे।

बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विभिन्न समुदायों, धर्मों, जातियों और पंथों के लोग वर्षों से बंगाल में रथ यात्रा उत्सव में भाग लेते रहे हैं। उन्होंने रथ यात्रा के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए बंगाली भाषा में लिखे पोस्ट में कहा, ''हमारा मानना है कि हर कोई अपनी आस्था और विश्वास का पालन कर सकता है, लेकिन हर त्योहार का संदेश सार्वभौमिक है - सौहार्द और भाईचारा फैलाना।''

झारखंड में बंदूक छोड़ चुके पूर्व-नक्सलियों को खूब भा रहा मछलीपालन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुमला/भाषा। झारखंड में पहले उग्रवाद का रास्ता अपना चुके कई लोग अब केंद्र सरकार की एक योजना के तहत बंदूक की जगह मछली पकड़ने का जाल थामने लगे हैं। इस पहल ने इस क्षेत्र को नक्सल-प्रभावित क्षेत्रों की सूची से हटाने में योगदान दिया है।

गुमला जिले के बसिया ब्लॉक के निवासी ज्योति लकड़ा वर्ष 2002 में वामपंथी उग्रवाद को छोड़ने से पहले एक नक्सली समूह का हिस्सा थे। आज, वे एक मछली चारा मिल चलाते हैं, जिससे उन्हें पिछले साल केंद्र की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना योजना के तहत करीब आठ लाख रुपए का शुद्ध मुनाफा हुआ। अपनी चारा मिल के लिए 18 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त करने वाले 41 वर्षीय लकड़ा ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''आस-पास मछली का चारा बेचने वाली कोई दुकान नहीं थी। ग्रामीणों को मछली का चारा खरीदने के लिए 150 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था। इसलिए मैंने मछली चारा मिल लगाने का फैसला किया।'' संयुक्त केंद्रीय और राज्य कार्यान्वयन के साथ वर्ष 2020-21 में शुरू की गई पीएमएमएसवाई योजना ने चार वर्षों में गुमला जिले में 157 व्यक्तिगत लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया है। जिला मत्स्य अधिकारी कुसुमलता ने कहा कि जिले में अब मछली पालन में लगे 8,000-9,000 परिवारों में से लगभग 25 प्रतिशत पूर्व नक्सली समर्थक या भागीदार हैं।

'वीडियो ब्लॉगर' ने 'सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर' के साथ बलात्कार किया

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। गोरखपुर में खोराबार इलाके के 'फॉरेस्ट क्लब' में शूटिंग के दौरान एक 'वीडियो ब्लॉगर' ने 17 वर्षीय 'सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर' को कथित तौर पर नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना 12 जून की शाम को हुई और पीड़िता के परिवार ने 19 जून को शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि पुलिस ने मुख्य आरोपी मधुकर सिंह को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के तहत बृहस्पतिवार शाम जेल भेज दिया है। शिकायत के अनुसार, इंस्टाग्राम और यूट्यूब के लिए छोटे वीडियो बनाने वाली नाबालिग कथित तौर पर रासीनगर स्थित 'यूट्यूबर' मधुकर सिंह के साथ शाम छह बजे एवं नौ बजे के बीच निर्धारित वीडियो शूट के लिए क्लब गई थी। शिकायत के मुताबिक शूटिंग के दौरान मधुकर के दो दोस्त आदर्श सिंह और एक अन्य अज्ञात युवक भी मौजूद थे। लड़की का आरोप है कि शूटिंग समाप्त होने के बाद मधुकर ने उसे एक कोल्ड ड्रिंक दी जिसमें नशीला पदार्थ मिला हुआ था। इसे पीने के बाद वह बेहोश हो गई।

मशरूम की खेती से किसानों को आत्मनिर्भर बना रही उत्तर प्रदेश सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार मशरूम की खेती को बढ़ावा देकर राज्य के किसानों को आत्मनिर्भर बना रही है। इस संबंध में चलाए जा रहे विशेष अभियान के कारण राजधानी लखनऊ समेत आठ जिलों में इस व्यवसाय ने रफ्तार पकड़ ली है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश् पर विशेष अभियान के तहत किसानों को मशरूम की खेती से जोड़कर न केवल रोजगार दिया जा रहा है, बल्कि उन्हें तकनीकी व वैज्ञानिक खेती की ओर भी अग्रसर किया जा रहा है। एक बयान के मुताबिक मशरूम की खेती केवल पुरुषों तक सीमित नहीं रही, अब महिलाएं भी इस क्षेत्र में मजबूती से कदम रख रही हैं। मथुरा की गीता देवी और हरदोई की सोनाली सभरवाल प्रदेश की महिलाओं के लिए नई प्रेरणा बन गई हैं। गीता देवी ने ढाई साल पहले मशरूम की खेती की शुरुआत की थी। उन्होंने योगी सरकार के सहयोग से एक करोड़ 61 लाख रुपए की परियोजना की नींव रखी। उन्हें 70 लाख रुपए का ऋण मिला। आज वह मथुरा से लेकर आगरा व दिल्ली तक मशरूम की आपूर्ति कर रही हैं। गीता देवी को इस परियोजना से हर साल 20 से 25 लाख रुपए तक की आय हो रही है। दूसरी ओर सोनाली सभरवाल ने भी हरदोई में मशरूम की खेती को एक मिशन के तौर पर अपनाया है। बयान के अनुसार प्रदेश के आठ जिलों लखनऊ, मथुरा, सहारनपुर, मिर्जापुर, जौनपुर, हरदोई, रायबरेली, भदोही में मशरूम की खेती को अपनाने वाले किसानों की आय बढ़ी है।

आदिवासी आबादी वाले राज्यों में पार्टी के भीतर 10-15 ऊर्जावान नेता होने चाहिए: राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पार्टी में 'संगठन सृजन' अभियान के तहत निचले स्तर के संगठन में हो रहे बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि आदिवासी आबादी वाले राज्यों में पार्टी के भीतर 10-15 ऊर्जावान नेता होने चाहिए। उन्होंने पिछले दिनों आदिवासी समुदाय के प्रतिनिधियों के एक समूह से मुलाकात की थी। इस मुलाकात का वीडियो पार्टी की ओर से शुक्रवार को जारी किया गया।

राहुल गांधी ने इस बातचीत में गुजरात में हाल ही में की गई जिला अध्यक्षों की नियुक्ति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''हम नया कदम उठा रहे हैं। अभी गुजरात में हमने शुरू किया है। गुजरात में हमने 41 जिला-शहर अध्यक्ष बनाए हैं। उसमें आदिवासी, दलित और दूसरे सभी वर्गों को स्थान दिया गया है।'' उनका कहना था, '' हम जिला अध्यक्षों के हाथ मजबूत करने जा रहे हैं। जिला अध्यक्ष कांग्रेस को चलाएगा, विचारधारा को बढ़ाएगा और सदस्यता बढ़ाएगा। जिला अध्यक्ष अब हमारा नोडल अधिकारी बन जाएगा। यह हम हिंदुस्तान के हर जिले में करेंगे।''

महागठबंधन में कोई असमंजस और विवाद नहीं, मुख्यमंत्री पद के लिए तेजस्वी प्रमुख चेहरा : कन्हैया कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में 'महागठबंधन' की तरफ से मुख्यमंत्री पद के लिए तेजस्वी यादव के प्रमुख चेहरा होने को लेकर कोई असमंजस और विवाद नहीं है, क्योंकि विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन के जीतने पर सबसे बड़े घटक दल के रूप में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का नेता ही स्वाभाविक रूप से मुख्यमंत्री होगा। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में यह भी कहा कि चुनाव में मुद्दे महत्वपूर्ण हैं, लेकिन एक ''साजिश'' के तहत इनसे ध्यान भटकाने के लिए बार-बार चेहरे की बात की जा रही है। कुमार का यह भी कहना था कि अगर पार्टी उन्हें बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कहेगी तो वह जरूर लड़ेंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने की संभावना है। बिहार में 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के घटक दलों के गठजोड़ को 'महागठबंधन' के नाम से जाना जाता है। इस गठबंधन में वाम दलों के साथ ही राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार 2025 में कराएगी एक लाख जोड़ों का सामूहिक विवाह

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2025 में एक लाख जोड़ों का सामूहिक विवाह कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की बेटियों को विवाह में सहयोग देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को सरकार ने और अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं जनहितकारी रूप दिया है। बयान के मुताबिक सरकार ने इस योजना के अंतर्गत इस वर्ष एक लाख से अधिक जोड़ों के विवाह कराने का लक्ष्य तय किया है।

भारत को मिली 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल की मेजबानी पर शाह ने जताई खुशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत को विश्व पुलिस और फायर खेल 2029 की मेजबानी मिलने पर खुशी जताई और इसे प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व का क्षण बताया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अहमदाबाद को इस आयोजन स्थल के रूप में चुना गया है। उन्होंने बताया कि इसमें पुलिस, फायर और आपदा सेवाएं के खिलाड़ी 50 से अधिक खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक साथ आएंगे और यह एक खेल स्थल के रूप में शहर की बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमाण है। शाह ने 'एक्स' पर लिखा, ''यह प्रत्येक नागरिक के लिए बहुत गर्व का क्षण है, क्योंकि भारत को प्रतिष्ठित 2029 विश्व पुलिस और फायर खेलों के लिए मेजबान देश के रूप में नामित किया गया है। भारत द्वारा इस आयोजन की मेजबानी प्राप्त करना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में निर्मित हमारे विशाल खेल बुनियादी ढांचे की वैश्विक मान्यता है।'' विश्व पुलिस और फायर खेल 2029 भारत में गुजरात के अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर (केवडिया) में होंगे जिसमें 10000 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे । ये खिलाड़ी 70 देशों के पुलिस, अग्निशमन, कस्टम और सुधार सेवा विभागों के होंगे।

बुमराह की अनुपस्थिति में लाइन और लेंथ पर ध्यान देना होगा भारतीय तेज गेंदबाजों को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु /भाषा। जसप्रीत बुमराह अगर इंग्लैंड के खिलाफ अगले सप्ताह बर्मिंघम में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाते हैं तो भारत की परेशानियां बढ़ना तय है और ऐसे में अन्य तेज गेंदबाजों का अपनी लाइन और लेंथ पर नियंत्रण बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा।

बुमराह की अनुपस्थिति भारत को कितनी भारी पड़ सकती है इसका एक नजारा लीड्स में पहले टेस्ट मैच के 65वें और 82वें ओवर के बीच देखने को मिला जब इस तेज गेंदबाज ने गेंदबाजी नहीं की थी। इंग्लैंड ने यह मैच पांच विकेट से जीतकर पांच मैचों की शृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल की।

जब बुमराह ने 19-3-57-0 के कुल गेंदबाजी विश्लेषण के साथ उस स्पेल का अंत किया, तब 371 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहे इंग्लैंड का स्कोर चार विकेट पर 286 रन था और उन्हें एक और ओवर के लिए नहीं बुलाया गया। शायद, कप्तान शुभमन गिल उन्हें दूसरी नई गेंद के लिए बचाकर रखना चाहते थे, जो 15 ओवर बाद ली जानी थी और यह भारत के अपने प्रमुख तेज गेंदबाज के कार्यभार प्रबंधन योजना के अनुरूप भी था। इंग्लैंड अभी भी जीत से 85 रन दूर था और अगर इन ओवर में कुछ विकेट गिर जाते तो 80वें ओवर में बुमराह की वापसी के लिए पूरी तरह से मंच तैयार हो जाता।

लेकिन जब तक 80 ओवर हुए तब तक इंग्लैंड ने पांच विकेट पर 349 रन बना लिए थे। उसने इन 15 ओवर में 63 रन बनाए थे, जो कि प्रति ओवर चार रन से अधिक की दर थी। ऐसे में बुमराह के लिए भी स्थिति को संभालना संभव नहीं था। अब भारत को एजबेस्टन में 31 वर्षीय बुमराह की अनुपस्थिति की वास्तविकता के साथ समझौता करना होगा। भारत के अन्य तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर टुकड़ों में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए। ऐसी स्थिति में अगर बुमराह दूसरा टेस्ट मैच नहीं खेल पाते हैं तो इन गेंदबाजों विशेष कर सिराज और प्रसिद्ध को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उन्हें विशेष कर अपनी लाइन और लेंथ पर ध्यान देना होगा। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डोडा गणेश का मानना है कि प्रसिद्ध बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं, बशर्ते वह अपने दृष्टिकोण में कुछ मामूली बदलाव करें।

गणेश ने पीटीआई से कहा, ''प्रसिद्ध हमेशा से विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं, लेकिन उन्हें कुछ निरंतरता के साथ गेंदबाजी करने की जरूरत है। उन्हें उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है जहां वे गेंदबाजी करते हैं। इससे उन्हें अधिक मेडन ओवर फेंकने में मदद मिलेगी, खासकर तब जब गेंद पुरानी हो जाएगी।'' उन्होंने कहा, ''इंग्लैंड में गेंद परिस्थितियों के कारण थोड़ी स्विंग करती है। उन्हें बस बुमराह की तरह लगातार लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करनी होगी। उन्हें बस ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है।''

सुविचार

राधा का प्रेम ऐसा संगीत था, जिसे सुनने के लिए कान नहीं, दिल की ज़रूरत होती थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दो का चार, बंटाधार!

डिजिटल क्रांति के इस युग में ऑनलाइन गेमिंग, सट्टेबाजी और जुए की लत ने युवा वर्ग को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। ये गतिविधियां शुरुआत में तो मनोरंजन का साधन लगती हैं, लेकिन धीरे-धीरे दिलो-दिमाग पर ऐसी जड़ जमा लेती हैं कि पीछा छुड़ाना मुश्किल हो जाता है। इनकी लत ने कई लोगों का जीवन बर्बाद कर दिया है। हमने 9 जून को प्रकाशित संपादकीय ('नीयत में खोट, विश्वास पर चोट') में बताया था कि ऑनलाइन गेमिंग, सट्टेबाजी और जुए की लत लगने के कारण कई बैंक कर्मचारियों ने खाताधारकों की रकम उड़ा दी। अब इन गतिविधियों के दुष्प्रभाव राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। हाल में नई दिल्ली स्थित नौसेना भवन में कार्यरत जिस यूडीसी को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया, वह ऑनलाइन गेमिंग का आदी बताया जा रहा है। उसने पैसों के लिए एक पाकिस्तानी जासूस 'प्रिया' को संवेदनशील जानकारी उपलब्ध करवाई, जिसमें 'ऑपरेशन सिंदूर' से संबंधित विवरण भी शामिल था! क्या ऑनलाइन गेमिंग की लत किसी व्यक्ति के विवेक का इतना हरण कर लेती है कि वह दुश्मन एजेंसियों के लिए जासूसी करने से नहीं हिचकता? जासूसी के मामलों में पहले भी कई लोग पकड़े गए हैं, जो अलग-अलग वजहों से यह काम कर रहे थे। प्राय: लोग लालच, मोहपाश, ब्लैकमेलिंग, विचारधारा, आत्मिक लगाव आदि के वशीभूत होकर दुश्मन एजेंसियों के लिए जासूसी करने लग जाते हैं। क्या भविष्य में ऐसे लोग भी इन एजेंसियों के आसान शिकार हो सकते हैं, जिन्हें ऑनलाइन गेमिंग, सट्टेबाजी और जुए की लत लग गई? यह एक गंभीर प्रश्न है। भारतीय एजेंसियों को इस पर जरूर विचार करना चाहिए।

यह घटना समाज और सरकार के लिए एक चेतावनी है कि ऐसी गतिविधियों पर तत्काल अंकुश नहीं लगाया गया तो खतरा बढ़ सकता है। ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी ने न सिर्फ परिवारों को तबाह किया, बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों को भी नुकसान पहुंचाया है। जो इस जाल में फंस जाते हैं, वे किसी भी चीज को दांव पर लगाने से नहीं हिचकते। हाल के वर्षों में ऐसे भी मामले सामने आए हैं, जब किसी व्यक्ति को ऐसी लत लगी तो उसने अपराधों की ओर कदम बढ़ा दिए। जो लोग किसी तरह इस दलदल से बाहर आ गए, वे अपने अनुभवों से बताते हैं कि ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी ने फैसले लेने की उनकी क्षमता को कमजोर कर दिया था। वे दिन-रात इसी सोच में डूबे रहते थे कि मुझे 'दो का चार' करना है। जब दांव में नुकसान होता है तो किसी काम में मन नहीं लगता, व्यक्ति उचित-अनुचित का विचार नहीं कर पाता। बस, इसी कोशिश में रहता है कि किसी भी तरह से पैसा आना चाहिए। अब क्रिप्टोकरेंसी जैसे अनियंत्रित विकल्पों ने इस खतरे को और बढ़ा दिया है। सरकार को ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी के प्लेटफॉर्म्स के संबंध में सख्त नियम लागू करने होंगे। बैंकों और सुरक्षा बलों से जुड़े कर्मियों के लिए तो खास हिदायत होनी चाहिए कि वे इन ऐप्स से दूर रहें। साथ ही, जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को इन गतिविधियों के दुष्परिणामों से सावधान करना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों को जरूर बताना चाहिए कि जुआ खेलकर कोई धनवान नहीं होता, सट्टा लगाकर कोई समृद्ध नहीं होता। ये बर्बादी के रास्ते हैं, जिनसे कोसों दूर रहने में ही भलाई है। अगर एक बार इनकी लत लग गई तो संभलने में बहुत वक्त लगेगा। लोगों को सबकुछ गंवाने के बाद समझ में आता है कि 'जुआ, किसी का ना हुआ'।

ट्वीटर टॉक

मुख्यमंत्री निवास पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, कृषि तथा उद्योग एवं वाणिज्य विभाग से संबंधित विषयों पर प्रेजेंटेशन का अवलोकन कर उपस्थित अधिकारियों को प्रेजेंटेशन में दिए गए सुझावों और संभावनाओं का परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया।

-भजनलाल शर्मा

मुझे बदनाम करने से, तुम्हारा काम बनता है तो चलो एक अहसान और सहीअशोक गहलोत जी अपने पुत्र का राजनीतिक करियर बनाने के लिए संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी प्रकरण में मेरा नाम घसीटकर मुझे कलंकित करने के प्रयास में बुरी तरह असफल रहे हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

नगरपरिषद सरदारशहर में भाजपा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के संबंध में 11 बजे मीटिंग आहूत की गई थी जिसमें भाजपा के सभापति को अविश्वास प्रस्ताव द्वारा हटाया जाना तय है लेकिन राज्य सरकार के दबाव में अभी तक चुनाव अधिकारी एडीएम अनुपस्थित हैं।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

अशुद्ध अन्न से दूषित मन

आर्यसमाज के सुविख्यात शिक्षाविद लाहौर से हरिद्वार आए हुए थे। वे मौन आश्रम में ठहरे हुए थे। वहां एक वानप्रस्थी भी रुके हुए थे जो प्रतिदिन प्रातः तीन बजे उठकर ध्यानावस्थित हो जाया करते थे। एक दिन वह महात्मा अचानक हंसराज जी के पास पहुंचे और जोर-जोर से रोने लगे। उन्होंने कहा मैं तो लुट गया। मेरे वर्षों का संचित पुण्य नष्ट हो गया। मैं रोज ध्यान करता हूं, मुझे बहुत आनन्द आता है। मुझे ध्यान में एक आनंदस्वरूप ज्योति दिखाई देती थी। आज उसकी जगह लाल कपड़े पहने एक युवती दिखाई दी। मैंने ध्यानावस्थित होने का प्रयास किया पर बार-बार मुझे वही दिखाई दी। हंसराज जी ने पूछा कि तुम कल कहीं आश्रम से बाहर गये थे। महात्माजी बोले कि मैं एक साधु के कहने पर एक भण्डारे में गया था। हंसराज जी ने कहा, पता लगाओ कि वह भण्डारा किसने लगाया था। पता चला कि एक दुष्टात्मा, जिसने अपनी बेटी किसी को दस हजार रुपये में बेची थी, ने पाप से बचने के लिए भण्डारा लगाया था। हंसराज जी बोले, अधर्म और पाप की कमाई के पैसों से किये गये भण्डारे का अन्न ग्रहण करने से तुम्हारे ध्यान में विघ्न पड़ा।

सामयिक

आपातकाल में मीडिया का गला घोटा गया था

डॉ. आशीष वशिष्ठ

मोबाइल : 9451005200

25 जून 1975 की वो तारीख जब आधी रात को देश में आपातकाल की घोषणा की गई। देश में आपातकाल लग चुका है इसका ऐलान खुद प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने रेडियो पर किया। आपातकाल की घोषणा के दो दिन के भीतर ही राजनीतिक विरोधियों और आंदोलनकारियों की गतिविधियों पर तो पहरा बिठा ही दिया गया। इस अवधि के दौरान मानवाधिकारों के उल्लंघन की रिपोर्ट व्यापक रूप से प्रसारित और बहस की गई हैं, लेकिन इस अवधि का सबसे महत्वपूर्ण पहलू प्रेस पर सेंसरशिप थी। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने मीडिया पर शिकंजा कसा और प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने के लिए सभी प्रयास किए। उस दौरान लोगों तक सूचना पहुंचाने का एकमात्र स्रोत अखबार और रेडियो हुआ करते थे। आपातकाल स्वतंत्र प्रेस के लिए उस वक्त का कोरोना काल साबित हुआ। उस दौर में प्रमुख अखबारों के कार्यालय दिल्ली के जिस बहादुर शाह जफर मार्ग पर थे, वहां की बिजली लाइन काट दी गई, ताकि अगले दिन के अखबार प्रकाशित नहीं हो सकें। जो अखबार छप भी गए, उनके बंडल जब्त कर लिए गए। हॉकरों से अखबार छीन लिए गए। 28 जून 1975 को भारत में आपातकाल के दौरान सरकार विरोधी प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में केंद्र ने स्वतंत्रता के बाद मीडिया पर भी सबसे कठोर प्रेस सेंसरशिप लागू किया।

इस तरह की सेंसरशिप के खिलाफ सीमित ही सही, अपने-अपने ढंग से प्रतिरोध भी हुआ। सेंसरशिप के विरोध में 28 जून को इंडियन एक्सप्रेस, स्टेट्समैन और नई दुनिया जैसे अखबारों और हिम्मत पत्रिका ने सम्पादकीय की जगह को खाली यानी ब्लैंक स्पेस (खाली जगह) छोड़ दिया था। यह आपातकाल और सेंसरशिप के विरोध का ही एक तरीका था। बाद में सरकार ने पत्र-पत्रिकाओं में ब्लैंक स्पेस' छोड़ने पर भी पाबंदी लगा दी थी। एक अखबार ने सेंसरशिप की आंखों से बचकर शोक संदेश के कॉलम में छापा- आजादी की मां और स्वतंत्रता की बेटी लोकतंत्र की 26 जून, 1975 को मृत्यु हो गई।' आपातकाल से जुड़ी खबरें सामने न आने पाए इसके लिए इंदिरा गांधी की सरकार ने कई तरह के उपाय किए थे। इनमें से एक अखबारों की बिजली काट देना। इसके पीछे की सोच यह थी कि जब बिजली ही नहीं रहेगी तो मशीने नहीं चल पाएंगी। जब मशीनें नहीं चल पाएंगी तो अखबार कैसे छपेगा। दिल्ली में बहादुर शाह जफर रोड पर अधिकांश अखबारों के दफ्तर हैं। ऐसे में दिल्ली में सरकार ने इस रोड पर स्थिति अखबारों के दफ्तरों की बिजली काट दी थी। इसके अलावा सरकार ने अखबारों और पत्रिकाओं को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए उनको मिलने वाले सरकारी विज्ञापनों पर रोक लगा दी थी। न्यूज पेपर के ऑफिस में अधिकारियों की तैनाती कर दी गई। उनकी बिना इजाजत राजनीतिक खबरों को छापने की मंजूरी नहीं थी।

आपातकाल के दौरान 3801 समाचार-पत्रों के डिक्लेरेशन जब्त कर लिए गए। 327 पत्रकारों को मीसा में बंद कर दिया गया और 290 अखबारों के विज्ञापन बंद कर दिए गए। 50 से अधिक पत्रकारों और कैमरामैन की मान्यता रद्द कर दी गई। हालात इस कदर बिगड़े कि टाइम और गार्जियन अखबारों के समाचार-प्रतिनिधियों को भारत से जाने के लिए कह दिया गया। रॉयटर सहित अन्य एजेंसियों के टेलेक्स और टेलीफोन काट दिए गए। सरकार की ओर से दिए गए आदेश के मुताबिक काम करने से मना करने पर पत्रकारों को जेल में भेजा जाने लगा था। जिन पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया था उनमें मशहूर पत्रकार कुलदीप नैयर और केआर मलकानी शामिल थे। इसके अलावा महात्मा गांधी के पौत्र राजमोहन गांधी के नेतृत्व में निकलने वाली साप्ताहिक पत्रिका 'हिम्मत' को कुछ आपत्तिजनक खबरें प्रकाशित करने के आरोप में जुर्माना लगाया गया था। सरकार की ओर से प्रेस के लिए दिशानिर्देश जारी कर दिए गए थे। अफवाहों और आपत्तिजनक खबर को छापने की सख्त मनाही थी, जो सरकार के खिलाफ विपक्ष को भड़का सकता था। ऐसे सभी कार्टूनों, तस्वीरों और विज्ञापनों को पहले सेंसरशिप के लिए सौंपना पड़ता था, जो सेंसरशिप के दायरे में आते थे। अधिकारियों को न्यूज एजेंसियों के दफ्तरों में तैनात कर दिया गया था, ताकि ये आपत्तिजनक खबरों को उनके स्रोत पर ही दबा दें। विदेशी न्यूज एजेंसियों की आने वाली कॉपी को जांच की जाती थी। जब इंद्र कुमार गुजराल सरकार के मनोनुकूल मीडिया को नियंत्रित नहीं कर पाए तो आपातकाल के शुरुआती दिनों में उन्हें हटा कर विद्याचरण शुक्ल को नया सूचना एवं प्रसारण मंत्री बनाया गया। प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया भंग कर दिया गया। इतना ही नहीं आयकर, बिजली, नगरपालिका के बकाये की आड़ में अखबारों पर छापे डाले गए। बैंकों को कर्ज देने से रोका गया। इनसाइड स्टोरी ऑफ इमरजेंसी में वरिष्ठ पत्रकार कुलदीप नैयर लिखते हैं- आपातकाल के दौरान दिल्ली के संपादकों की एक बैठक बुलाई और उन्हें कड़े शब्दों में कह दिया गया था कि सरकार कभी बकवास बर्दाश्त नहीं करेगी। यह सरकार रहेगी और राज करेगी। किसी संपादकीय, लेख या कहीं और खाली जगह को भी विरोध माना जाएगा। बता दें यह तरीका अंग्रेजी राज में सेंसरशिप का विरोध करने के लिए भारतीय अखबार आमतौर पर अपनाते थे।

सेंसरशिप के कारण जेपी सहित अन्य कौन-कौन नेता कब गिरफ्तार हुए, उन्हें किन-किन जेलों में रखा गया, ये खबरें समाचार पत्रों को छापने नहीं दी गईं। यहां तक कि संसद एवं न्यायालय की कार्यवाही पर भी सेंसरशिप लागू थी। संसद में अगर किसी सदस्य ने आपातकाल, प्रधानमंत्री या सेंसरशिप के खिलाफ भाषण दिया तो वह कहीं नहीं छप सकता था। सीपीएम नेता नंबूदरीपाद ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पत्र लिख कर कहा था कि आजादी के आंदोलन में भी अंग्रेजों ने विरोधी नेताओं के नाम और बयान छापने पर रोक नहीं लगाई थी। न्यायालय द्वारा सरकार के विरुद्ध दिए गए निर्णयों को भी छापने की मनाही थी। हालांकि आपातकाल की ज्यादतियों के समाचार को विदेशी अखबारों में छपने से सरकार रोक नहीं पा रही थी। इंदिरा जी विदेशी पत्रकारों पर काफी नाराज थीं। लोग विश्वसनीय समाचार के लिए आकाशवाणी के बजाय बीबीसी न्यूज पर भरोसा करने लगे थे। भारत में बीबीसी के प्रमुख संवाददाता मार्क टुली को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने के लिए बाध्य किया गया था। सरकार ने दि टाइम्स, लंदन, वाशिंगटन पोस्ट, लास एंजेलिस टाइम्स सहित सात विदेशी अखबारों के संवाददाताओं को भारत से निष्कासित कर दिया। दि इकोनॉमिस्ट और दि गार्जियन सहित कुछ अन्य विदेशी अखबारों के पत्रकार धमकियां मिलने के बाद स्वदेश लौट गए। 29 विदेशी पत्रकारों के भारत में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

आपातकाल के दौरान प्रेस की स्थिति को लेकर एक श्वेत पत्र 1 अगस्त 1977 में संसद में पेश किया गया। सत्या सी पेज के श्वेत पत्र से यह स्पष्ट हुआ कि आपातकाल के दौरान प्रेस की नीति खुद तानाशाह इंदिरा गांधी ने तय की थी। तानाशाही की इच्छा रखने वाली इंदिरा गांधी ने अपनी अध्यक्षता में तय किया था कि प्रेस काउंसिल को भंग कर दिया जाए और तत्कालीन चारों समाचार एजेंसियों को मिलाकर एक कर दिया जाए, जिससे उन्हें सेंसर करने और संभालने में आसानी होगी। पूर्व उप मुख्यमंत्री, बिहार एवं सदस्य, राज्य सभा सुशील मोदी लिखते हैं कि, ''प्रेस पर ऐसे कठोर अंकुश लगाने का दुष्परिणाम यह हुआ कि इंदिरा गांधी जमीनी हकीकत से काफी दूर हो गईं। जनता के बड़े वर्ग में भीतर-भीतर ऐसा आक्रोश पनपा कि जब आपातकाल हटने के बाद मार्च 1977 में संसदीय चुनाव हुए, तब लगभग पूरे उत्तर भारत से कांग्रेस का सफाया हो गया। प्रेस की आजादी छीनने की कीमत इंदिरा गांधी को अपनी सत्ता गंवा कर चुकानी पड़ी थी।''

मंथन

देश में तीसरे मोर्चे की सुगबुगाहट शुरू

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

देश में तीसरे मोर्चे की सुगबुगाहट एक बार फिर शुरू हो गई है। गैर कांग्रेस और गैर भाजपा मोर्चे की पैरवी करते हुए कुछ नेताओं को तीसरे मोर्चे की याद सताने लगी है। विशेषकर आम आदमी पार्टी, नगीना से सांसद चंद्रशेखर रावण की आज़ाद समाज पार्टी, स्वामी प्रसाद मौर्य का लोक मोर्चा और इंडियन नेशनल लोकदल जैसी राजनीतिक पार्टियों ने मौजूदा स्थितियों में तीसरे मोर्चे की वकालत की है। आम आदमी पार्टी ने इंडिया ब्लॉक से अलग होकर तीसरे मोर्चे की पहल की है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने तीसरे मोर्चे के गठन की जरूरत के संकेत दिए है। आतिशी ने हाल ही में बयान दिया कि विपक्ष को अब कांग्रेस से हटकर विकल्प तलाशने की जरूरत है। इस बयान ने विपक्ष के भीतर तीसरे मोर्चे की संभावना को नया बल दे दिया है। एनडीए और इंडि गठबंधन से दूरी बनाकर चल रही निर्गुट पार्टियां अपना वज़ूद बनाये रखने के लिए जीतोड़ प्रयास में जुटी है। कुछ क्षेत्रीय क्षत्रप भी तीसरे मोर्चे के गठन में अपनी रूचि दिखा रहे है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगर अरविंद केजरीवाल राष्ट्रीय राजनीति की तैयारी कर रहे हैं, तो तीसरा मोर्चा उनके लिए फायदेमंद हो सकता है। देश में वर्तमान में एनडीए और इंडिया के नाम से दो सियासी मोर्चे वजूद में है। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सत्तारूढ़ है। जहां तक राज्यों की बात है उत्तर भारत के हिंदी भाषी राज्यों में जहां एनडीए सत्ता पर काबिज है वहीं दक्षिण के राज्यों में इंडिया गठबंधन सत्तारूढ़ है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छतीशगढ, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, असम, त्रिपुरा, आंध्रा और दिल्ली आदि राज्यों में एनडीए या यूं कहे भगवा दल का परचम फहरा रहा है। इंडिया गठबंधन की बात करें तो कर्नाटक, हिमाचल, तेलंगाना, तमिलनाडू, केरल, बंगाल में इंडिया काबिज है। हालांकि इंडिया में रहने के बावजूद बंगाल में टीएमसी और केरल में कम्युनिष्ट अपने बलबूते पर राज कर रहे है। पंजाब में राज करने वाली आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन से अलग होकर अब तीसरे मोर्चे की कवायद कर रही है। देश में बहुत सी ऐसी पार्टियां भी है जो दोनों प्रमुख मोर्चों में शामिल नहीं होकर स्वतंत्र रूप से कार्य कर रही है। ये पार्टियां अपने अपने राज्यों में सत्तारूढ़ रह चुकी है और अब स्वतंत्र रूप से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रही है। इनमें यूपी में बहुजन समाज पार्टी, पंजाब में अकाली दल, हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल, आंध्रा में जगन मोहन रेड्डी की पार्टी, राजस्थान में हनुमान बेनीवाल की रालोपा, तेलंगाना में केसीआर की पार्टी, उड़ीसा में बीजू जनता दल शामिल है। इन्हें हम निर्गुट पार्टियां भी कह सकते है। एक पार्टी बहुजन समाज पार्टी है जिसने अकेले चलो का नारा बुलंद किया है मगर तीसरा मोर्चा बनाने की कोई पहल नहीं की है। तेलंगाना में सत्ता गंवाने वाली क्षेत्रीय पार्टी बीआरएस के नेता के.चंद्रशेखर राव ने कभी तीसरा मोर्चा बनाने की वकालत जोर शोर से की थी मगर करारी हार के बाद वे भी अब अलग थलग पड़े है। एनडीए और इंडिया गठबंधन से दूरी बनाकर चल रही निर्गुट पार्टियां अपना वज़ूद बनाये रखने के लिए प्रयासरत है। निर्गुट पार्टियों में से एक बसपा सुप्रीमो मायावती का कहना है सियासी पार्टियां उनकी पार्टी के बारे में कोई बेवजह बयानबाजी न करें। पता नहीं भविष्य में कब किसको किसी की जरूरत पड़ जाये, तब उन्हें किसी शर्मिंदगी का सामना नहीं करना पड़े।

देश की लगभग 62 राजनीतिक पार्टियों ने दोनों गठबंधनों में शिरकत की है। इनमें 26 पार्टियां इंडिया और 36 पार्टियों ने एनडीए के झंडे के नीचे है। देश में एनडीए और इंडिया गठबंधन के अलावा एक दर्जन ऐसी पार्टियां है जिनका लगभग एक सौ लोकसभा सीटों पर खासा दबदबा है। ये पार्टिया किसी गुट विशेष में नहीं है और स्वयं की अलग पहचान बनाये हुए है। उड़ीसा में बीजू जनता दल, आंध्रा में वाईएसआर कांग्रेस और तेलंगाना में बीआरएस विधान सभा चुनाव हारकर सत्ताच्युत हो चुकी है। निर्गुट पार्टियां किसी गठबंधन में नहीं है मगर अपने अपने राज्य में इनका दबदबा है। विशेष रूप से उड़ीसा, आंध्र और तेलंगाना की पार्टियां इनमें शामिल है। अन्य प्रदेशों की निर्गुट पार्टिया भी कभी न कभी सत्ता पर काबिज रही है। अकाली दल और इनेलो के नेता मुख्यमंत्री के पद पर रहे है। इनमें कई पार्टिया कभी एनडीए की सहयोगी रही है। इनका कोई मोर्चा भी नहीं है। ये पार्टियां अपने अपने राज्य में ही रहना चाहती है। यदि इन पार्टियों ने तीसरा मोर्चा बना लिया तो दोनों बड़े गठबंधनों को चुनौती दे सकती है। आम आदमी पार्टी एक बारगी दिल्ली का चुनाव हारने के बाद हताशा में थी मगर हाल ही पंजाब और गुजरात में विधानसभा उप चुनाव जीतने के बाद उसका हौसला बुलंद है। आप की नेता और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने तीसरे मोर्चे की आवश्यकता जताई है। आप, इनेलो, टीएमसी, बीजू जनता दल, केसीआर और जगन रेड्डी की पार्टियां, वामपंथी पार्टियां,अकाली दल और बहुजन समाज पार्टी को मिलाकर तीसरा मोर्चा बनाया जा सकता है। आप नेता अरविन्द केजरीवाल प्रयास करते है तो तीसरा मोर्चा वज़ूद में आ सकता है। उन्हीं की पार्टी की नेता आतिशी ने इसके संकेत भी दे दिए है।

नजरिया

अंतरिक्ष में छलांग लगा कर भारत ने रचा इतिहास

राजेश माहेश्वरी

41 वर्षों बाद भारत ने फिर से अंतरिक्ष में एक ऐतिहासिक छलांग लगायी है, और इस बार यह गौरव उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बेटे, भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को प्राप्त हुआ है। भारत के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय हैं, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचे हैं। अलबत्ता तत्कालीन विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष में मानव जीवन की संभावनाओं को टटोलने की एक अद्भुत और दुर्लभ यात्रा पर हैं। करीब चार दशकों बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में जा पाया है। अंतरिक्ष में छलांग लगा कर एक और इतिहास रचा गया है। शुभांशु भारतीय वायुसेना में ग्रुप कैप्टन हैं और लड़ाकू विमान उड़ा चुके हैं। उन्हें 2000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है। अंतरिक्ष मिशन में भी वह पायलट की भूमिका में हैं। आसमान में विचरण करना उनका पेशा है, लेकिन इस बार उन्होंने आईएसएस में 14 दिन बिताने का बीड़ा उठाया है। यह प्रथम अवसर है, जब भारत सरकार की कैबिनेट ने प्रस्ताव पारित कर, तालियां बजा कर, शुभांशु की अंतरिक्ष यात्रा का स्वागत किया है, शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें 140 करोड़ (असल आबादी 146 करोड़ से अधिक) 'भारतीयों की उम्मीद' करार दिया है। जब राकेश शर्मा अप्रैल, 1984 में अंतरिक्ष में गए थे, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनसे पूछा था-ऊपर से

भारत कैसा दिखता है? राकेश का जवाब था-'सारे जहां से अच्छा।'

इस बार शुभांशु ने भारतीयों के नाम पहला ऑडियो संदेश भेजा-क्या अद्भुत सफर है! हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। मेरे कंधे पर तिरंगा मुझे बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। यह भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन की शुरुआत है। आप सभी इस सफर का हिस्सा बनें। आपका सीना भी गर्व से चौड़ा होना चाहिए।जय हिन्द, जय भारत।' बेशक यह अभियान आईएसएस तक जाने की यात्रा भर नहीं है, बल्कि भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन' का पूर्वाभ्यास है। भारत का 'गगनयान' 2027 में अंतरिक्ष में जाना प्रस्तावित है। भारत 2035 तक अपना 'अंतरिक्ष स्टेशन' बनाने की योजना पर कार्यरत है। 2040 तक चंद्रमा पर इंसान भेजने का लक्ष्य है। मानव अंतरिक्ष मिशन में शुभांशु की इस यात्रा का अनुभव महत्वपूर्ण रहेगा। चूंकि 2030 तक आईएसएस सेवानिवृत्त होना लगभग तय है, लिहाजा निजी कंपनियां अपने अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने में जुटी हैं। जिस 'एक्सिओम-4' के तहत शुभांशु का चार सदस्यीय मिशन भेजा गया है, वह भी निजी कंपनी का प्रयास है। हालांकि इसरो, नासा आदि ने मिलकर मिशन को आकार दिया है। शुभांशु ने रूस में, इसरो और नासा के अंतरिक्ष केंद्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उसका 2019 में 'गगनयान' के लिए भी चयन हो चुका है। बहरहाल मिशन में शुभांशु भारतीय हैं, शेष तीन अंतरिक्ष यात्री अमेरिका, पोलैंड और हंगरी के निवासी हैं। अमेरिका की पैगी व्हिटसन अंतरिक्ष में 665 दिन गुजार चुकी हैं, लिहाजा उन्हें मिशन कमांडर बनाया गया है। भारतीय वायुसेना के जांबाज पायलट, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला मिशन पर अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं और इस बार कुछ बेहद दिलचस्प चीजें अपने साथ ले गए हैं। क्या आप जानते हैं, उनके सामान में 6 फसलों के बीज, खास तरह की काई, यूरिया-नाइट्रेट और तो और गाजर का हलवा भी शामिल है? इतना ही नहीं, एक प्यारा सा सॉफ्ट टॉय 'जॉय' (हंस) भी उनके साथ गया है! यह सब कोई आम सामान नहीं है, बल्कि इनके पीछे बड़े वैज्ञानिक प्रयोग छिपे हैं।

अंतरिक्ष यात्रा के मानव शरीर पर कई असर पड़ते हैं, क्योंकि वहां ग्रैविटी नहीं है। हृदय, पीठ के लिगामेंट्स, खड़े रहने या चलने में असमर्थता, हड्डियों और मांसपेशियों आदि पर प्रभाव पड़ते हैं, लिहाजा अंतरिक्ष में योग और व्यायाम अनिवार्य हैं। आईएसएस में ग्लूकोज और इंसुलिन पर भी विशेष अध्ययन किया जाएगा, जो भविष्य में मधुमेह के इलाज की दिशा बदल सकता है। शुभांशु अंतरिक्ष में भारतीय संस्कृति और भावनाओं को भी साथ लेकर जा रहे हैं। उन्होंने एक साक्षात्कार में बताया कि वे अपने साथ अंतरिक्ष में आम रस, मूंग दाल और गाजर का हलवा ले जाएंगे और वहां योगाभ्यास भी करेंगे। इस तरह वह न केवल वैज्ञानिक बल्कि सांस्कृतिक राजदूत की भी भूमिका निभाएंगे। शुभांशु का कहना है, मैं केवल उपकरण या प्रयोग नहीं ले जा रहा, बल्कि एक अरब भारतीयों की उम्मीदें और सपने लेकर अंतरिक्ष जा रहा हूं। यह कथन ही यह बताने के लिए पर्याप्त है कि यह मिशन महज एक वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और आकांक्षाओं का विस्तार है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

उमराव जान के अंदाज़ में एक बार फिर से नजर आईं रेखा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड सदाबाहार अभिनेत्री रेखा ने अपनी सुपरहिट फिल्म 'उमराव जान' की विशेष री-रिलीज़ स्क्रीनिंग में एक बार फिर अपने उमराव जान की अवतार में नज़र आयीं। रेखा ने सफेद सिल्क की साड़ी, गजरा और अपनी वही नज़ाकत भरी अंदाज़ से एक बार फिर लोगों का दिल जीत लिया। उनके इस शाही लुक को देख कर हर कोई मंत्रमुग्ध रह गया। रेखा के साथ फिल्म उमराव जान के निर्देशक मुजफ्फर अली भी स्क्रीनिंग में मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में एआर रहमान, तब्बू, अनिल कपूर और अन्य लोग शामिल हुए। रेखा फिल्म में अपने चिर परिचित किरदार उमराव जान की याद दिलाते हुए सुनहरे कढ़ाई वाले पारंपरिक सफेद परिधान में सबके आकर्षण का केंद्र बनीं और खूब सुर्खियां बटोरी। एक मजेदार पल में रेखा को अनिल कपूर के साथ नृत्य करते हुए भी देखा गया। रेखा ने अपनी फिल्म उमराव जान के बारे में कहा, उमराव जान सिर्फ एक फिल्म नहीं है जिसमें मैंने काम किया है, वह मेरे दिल में रहती है, मेरे माध्यम से सांस लेती है, यहां तक ङ्कि आज भी। उस समय हममें से कोई भी इस फिल्म की कालातीतता की कल्पना नहीं कर सकता था, कि यह किस तरह से भारतीय सिनेमा की आत्मा में खुद को उकेर लेगी।

इसे बड़े पर्दे पर वापस आते देखना एक पुराने प्रेम पत्र को नयी पीढ़ी द्वारा खोले जाने जैसा है। उल्लेखनीय है कि इस फिल्म में रेखा ने 19वीं सदी के लखनऊ में एक वेश्या-कवयित्री के रूप में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता है। इस फिल्म में 'दिल चीज़ क्या है' पर उनके शानदार नृत्य प्रदर्शन को आज भी फिल्मप्रेमियों से खूब सराहना मिलती है।

'उमराव जान' एक क्लासिक सदाबहार फिल्म है जिसे दो भागों में रूपांतरित किया गया है। रेखा अभिनीत 1981 का संस्करण एक सदाबहार क्लासिक फिल्म है और इसने चार राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। ऐश्वर्या राय बच्चन अभिनीत 2006 का संस्करण दर्शकों द्वारा बहुत पसंद नहीं किया गया था। दोनों फ़िल्में मिर्ज़ा हादी रुसवा के उपन्यास उमराव जान अदा पर आधारित हैं। उमराव जान कई शहरों के चुनिंदा पीवीआर आईनॉक्स सिनेमाघरों में 27 जून से दिखायी जायेगी।

'ममदानी की जीत ने न्यूयॉर्क शहर की राजनीति को हिलाकर रख दिया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनने के चुनाव में भारतीय-अमेरिकी जोहरान क्रामे ममदानी की जीत ने शहर की राजनीति को हिलाकर रख दिया है। भारतीय समुदाय के सदस्यों ने यह बात कही है। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ममदानी पर निशाना साधते हुए उन्हें 100 प्रतिशत पागल वामपंथी कहा है। मशहूर भारतीय फिल्म निर्माता मीरा नायर और भारतीय मूल के युगांडाई लेखक महमूद ममदानी के पुत्र 33 वर्षीय ममदानी को मंगलवार रात मेयर पद की उम्मीदवारी के लिए हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में विजयी घोषित किया गया। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, आखिरकार यह हो गया, डेमोक्रेटिक पार्टी ने हद पार कर दी। 100 प्रतिशत पागल वामपंथी जोहरान ममदानी ने डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की और वह मेयर बनने की राह पर है।'डिजिमेंटर्स' के सीईओ और मीडिया व

राजनीति पर लंबे समय से नजर रखने वाले श्री श्रीनिवासन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि ममदानी की जीत ने न्यूयॉर्क शहर की राजनीति को हिलाकर रख दिया है। श्रीनिवासन ने कहा, यह घटनाक्रम आश्चर्यजनक रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोगों का ध्यान खींच रहा है - जिन लोगों से आप कभी उम्मीद नहीं करते कि वे भी इस मामले पर अपनी राय दे रहे हैं। नवंबर तक का वक्त रोमांचक होगा। इस चुनाव पर सबकी नजरें होंगी। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के सलाहकार रहे अजय भूटोरिया ने कहा कि न्यूयॉर्क सिटी डेमोक्रेटिक मेयर पद के प्राइमरी चुनाव में ममदानी की ऐतिहासिक जीत समुदाय के प्रतिनिधित्व के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा, जमीनी स्तर पर समर्थन प्राप्त और सामर्थ्य के दृष्टिकोण से प्रेरित उनका अभियान क्लीन्स के दक्षिण एशियाई इलाकों से लेकर ब्रुकलिन के प्रगतिशील केंद्रों तक विविधतापूर्ण न्यूयॉर्क वासियों के बीच खूब चर्चा में है। हालांकि, भूटोरिया ने कहा कि वह ममदानी की पुलिस की फंडिंग बंद करने की नीति को लेकर चिंतित हैं, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री और हिंदुओं के खिलाफ उनके भड़काऊ बयान, इंतिफादा को वैश्विक बनाने का उनका आह्वान और इजराइल विरोधी सोच से यहूदियों के खिलाफ हिंसा भड़क सकती है।

जलवायु मॉडल की भविष्यवाणी से कहीं अधिक गर्मी अपने भीतर रोक रही है पृथ्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी। आप जलवायु परिवर्तन को कैसे मापते हैं? एक तरीका है कि लंबे समय तक विभिन्न स्थानों में तापमान दर्ज करना। यह विधि कारगर है, लेकिन प्राकृतिक उतार-चढ़ाव के कारण लंबे समय की प्रवृत्तियों को समझना कठिन हो सकता है। लेकिन एक और तरीका हमें यह स्पष्ट रूप से बता सकता है कि क्या हो रहा है: यह मापना कि पृथ्वी के वायुमंडल में कितनी गर्मी प्रवेश करती है और कितनी गर्मी बाहर निकलती है। इसे ही पृथ्वी का ऊर्जा संतुलन कहा जाता है और यह अब पूरी तरह से असंतुलित हो चुका है।

हमारे हालिया शोध में पाया गया है कि पिछले 20 वर्षों में यह असंतुलन दोगुने से भी अधिक हो गया है। अन्य शोधकर्ता भी इसी निष्कर्ष पर पहुंचे हैं। यह असंतुलन अब जलवायु मॉडल द्वारा सुझाए गए असंतुलन से कहीं अधिक है। साल 2000 के दशक के मध्य में, ऊर्जा असंतुलन औसतन 0.6 वाट प्रति वर्ग मीटर था। यह हाल के वर्षों में, औसतत लगभग 1.3 वाट प्रति वर्ग मीटर था। इसका मतलब है कि पृथ्वी की सतह के पास ऊर्जा के संचय की दर दोगुनी हो गई है। इन निष्कर्षों से पता चलता है कि आने वाले वर्षों में जलवायु परिवर्तन में तेजी आ सकती है। इससे भी बुरी बात यह है कि यह चिंताजनक असंतुलन तब भी उभर रहा है जब अमेरिका में वित्तपोषण की अनिश्चितता गर्मी के प्रवाह पर नजर रखने की हमारी क्षमता को खतरे में डाल रही है। पृथ्वी की ऊर्जा संतुलन प्रणाली कुछ हद तक आपके बैंक खाते की तरह काम करती है जैसे उसमें पैसा आता है और खर्च होता है। अगर आप कम खर्च करें, तो आपके खाते में पैसे जमा होने लगते हैं। इसी तरह, ऊर्जा इस प्रणाली की मुद्रा है।

पृथ्वी पर जितनी ऊर्जा सूरज से आती है, उतनी ही ऊर्जा वापस अंतरिक्ष में चली जाती है, पृथ्वी पर जीवन इस संतुलन पर निर्भर करता है। लेकिन जब अंदर आने वाली ऊर्जा बाहर जाने वाली ऊर्जा से अधिक हो जाती है, तो पृथ्वी पर गर्मी जमा होने लगती है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग होती है। सौर ऊर्जा पृथ्वी से टकराती है और इसे गर्म करती है। वायुमंडल में मौजूद ऊष्मा को रोकने वाली ग्रीनहाउस गैस इस ऊर्जा का कुछ हिस्सा रोक कर रखती हैं। लेकिन कोयले, तेल और गैस के जलने से अब वायुमंडल में दो ट्रिलियन टन से ज़्यादा कार्बन डाइऑक्साइड और दूसरी ग्रीनहाउस गैसें जुड़ गई हैं। ये ज्यादा से ज्यादा ऊष्मा को रोकती हैं और इसे बाहर जाने से रोकती हैं। इस अतिरिक्त ऊष्मा का कुछ हिस्सा जमीन को गर्म कर रहा है या समुद्री बर्फ, ग्लेशियर और बर्फ की चादरों को पिघला रहा है। लेकिन यह बहुत छोटा अंश है। पूरी 90 प्रतिशत ऊष्मा महासागरों में चली गई है, क्योंकि उनकी ऊष्मा क्षमता बहुत ज्यादा है।

इन निष्कर्षों से पता चलता है कि हाल के वर्षों में पड़े अत्यधिक गर्म साल कोई अपवाद नहीं हैं, बल्कि वे आने वाले दशक या उससे भी लंबे समय तक गर्मी के बढ़ते प्रभाव को दर्शा सकते हैं। इसका मतलब होगा कि भयंकर हीटवेव, सूखा और अत्यधिक वर्षा जैसी जलवायु आपदाएं जमीन पर और भी ज्यादा गंभीर होंगी।

साथ ही समुद्रों में तेज और लंबे समय तक चलने वाली समुद्री हीटवेव भी और ज्यादा तीव्र हो सकती हैं। उपग्रह विशेष रूप से हमारे लिए एक अग्रिम चेतावनी प्रणाली का काम करते हैं, जो हमें ऊष्मा संग्रहण में हो रहे बदलावों की जानकारी अन्य तरीकों की तुलना में लगभग एक दशक पहले ही दे देते हैं।

'वॉर 2' में कियारा आडवाणी का फियरलेस एक्शन अवतार आया सामने

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी की आने वाली फिल्म वॉर 2 से उनका नया पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें उनका एक्शन अवतार देखने को मिल रहा है। फिल्म 'वॉर 2' के मेकर्स ने फिल्म के लीड कास्ट के पोस्टर्स रिलीज़ कर दिए हैं। नये पोस्टर में कियारा आडवाणी का एक नया और दमदार एक्शन अवतार देखने को मिला। बंदूक थामे, तीखी और आत्मविश्वास से भरी निगाहों के साथ कियारा का लुक हर किसी का ध्यान खींच रहा है। ये लुक एक धमाकेदार एक्शन जर्नी का वादा करता है। बिकिनी लुक से दर्शकों को चौंकाने के बाद, अब कियारा को एक बिल्कुल अलग अंदाज़ में पेश किया गया है, एक ऐसी एक्शन हीरोइन के रूप में, जो न सिर्फ खूबसूरत है, बल्कि ताकतवर और बेखौफ भी। उनके इस नए लुक ने यह साफ कर दिया है कि 'वॉर 2' में वह एक बड़ा सरप्राइज़ बनकर सामने आने वाली हैं। पोस्टर में कियारा के चेहरे की गंभीरता और पोज़ की ताकत इस बात की गवाही देती है कि वह इस एक्शन-एंटरटेनर में किसी से कम नहीं होंगी। दर्शक और क्रिटिक्स इस लुक से पहले ही काफी प्रभावित हो चुके हैं और सोशल मीडिया पर इसे लेकर

जबरदस्त चर्चा हो रही है। यशराज फिल्मस (वाईआरएफ) स्पाई यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वॉर 2' का निर्देशन अयान मुखर्जी ने मिया है। इस एक्शन थ्रिलर में ऋतिक रोशन, एनटीआर जूनियर और कियारा आडवाणी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 14 अगस्त 2025 को हिंदी, तमिल और तेलुगु में वर्ल्डवाइड रिलीज़ होगी।

फिल्म 'संत तुकाराम' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करेंगी शीना चौहान

मुंबई/एजेन्सी

जानीमानी अभिनेत्री शीना चौहान आगामी हिंदी फिल्म 'संत तुकाराम' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करेंगी। शीना चौहान फिल्म संत तुकाराम में अवली जीजा बाई का मुख्य किरदार निभा रही हैं। यह फिल्म 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है। अपनी भूमिका को लेकर शीना चौहान ने कहा,हम आज की पीढ़ी को संत तुकाराम की असली कहानी से प्रेरित करना चाहते हैं। हम भगवान विठ्ठल का वह सच्चा संदेश साझा कर रहे हैं कि यदि आप दिल से विश्वास करते हैं, तो कुछ भी संभव है। शीना चौहान ने बताया कि अपने किरदार को गहराई से समझने के लिए उन्होंने एक मराठी अनुवादक की मदद से 15वीं सदी के ऐतिहासिक ग्रंथों और लेखों का अध्ययन किया। साथ ही, वह उस गांव में भी गईं जहां संत तुकाराम और अवली जीजा बाई रहते थे, और वहां की महिलाओं के साथ समय बिताया ,जिससे उस संस्कृति को आत्मसात कर सकें। उन्होंने कहा, उन गांव की महिलाओं के साथ मेरा समय बिताना मेरे किरदार को समझने में सबसे ज्यादा मददगार रहा। वहीं फ़िल्म में संत तुकाराम की भूमिका निभा रहे मराठी सुपरस्टार सुबोध भावे ने शीना की तारीफ करते हुए कहा, शीना निर्देशक की सोच को बखूबी समझती हैं और हर दृश्य को पूरी ईमानदारी और समर्पण से निभाती हैं। उनके साथ काम करना एक सच्चा आनंद रहा। फिल्म संत तुकाराम में सुबोध भावे के साथ संजय मिश्रा, अरुण गोविल, शिशिर शर्मा, हेमंत पांडे, गणेश यादव, ललित तिवारी, मुकेश भट्ट और शिव सूर्यवंशी जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे। फ़िल्म में मुकेश खन्ना फिल्म के सूत्रधार के रूप में दिखाई देंगे। फिल्म का संगीत निखिल कामत, रवि त्रिपाठी, और वीरल-लावण ने लिखा है।

फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' 11 जुलाई को रूस में होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' 11 जुलाई को रूस में रिलीज होगी। विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की रोमांटिक फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। भारत के साथ-साथ अब यह फिल्म रूस में भी रिलीज के लिए तैयार है। निर्माता वरुण बागला ने हाल ही में सोशल मीडिया पर फिल्म का ऑफिशियल रूसी पोस्टर शेयर किया, जिसमें फिल्म की रूस में रिलीज डेट 11 जुलाई बताई गई है। यह पोस्टर रूसी भाषा में है। विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की केमिस्ट्री इस फिल्म की जान है। यह फिल्म प्यार, दिल टूटने, धोखे और बिना कुछ कहे भी बहुत कुछ कह देने वाले पलों को खूबसूरती से दिखाती है।

इस फिल्म का संगीत विशाल मिश्रा ने दिया है, जो इसकी भावनाओं को और गहराई देता है। यह फिल्म ज़ी स्टूडियोज़ और मिनी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत की गई है और मंसी बागला, वरुण बागला और ओपन विंडो फिल्म्स ने इसे प्रोड्यूस किया है। फिल्म का निर्देशन संतोष सिंह ने किया है।

'लूडो' की शूटिंग के दौरान घबरा गई थीं फातिमा सना शेख, बोलीं- 'छोटी-सी लाइन भी नहीं बोल पाई'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने आईएएनएस से बात करते हुए फिल्म 'लूडो' की शूटिंग से जुड़ा एक मजेदार किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि एक सीन में उन्हें अपने को-स्टार राजकुमार राव को डायलॉग शुरू करने का इशारा देना था, ताकि वह अपना मोनोलॉग शुरू कर सकें, लेकिन वह बार-बार अपनी लाइन भूल जाती थीं और सीन को दोबारा शुरू करना पड़ता था। उन्होंने कहा, एक फिल्म पर एक एक्टर का कंट्रोल बहुत सीमित होता है। एक्टर सिर्फ अपनी एक्टिंग तक ही योगदान दे सकता है। उसके बाद निर्देशक तय करता है कि कौन सा सीन फिल्म में रखा जाएगा और कौन सा नहीं। हमें उस पर कुछ नहीं कहते। फातिमा ने फिल्म 'लूडो' के उस सीन को याद किया, जिसमें वह बार-बार अपनी लाइन भूल रही थीं। उस दौरान उनके को-स्टार राजकुमार राव ने काफी धैर्य दिखाया। उन्होंने बताया कि निर्देशक अनुराग बसु ने भी उन्हें शांत और सहज महसूस करवाया, ताकि वह घबराए नहीं।

फातिमा ने कहा, फिल्म 'लूडो' में मेरा और राजकुमार का एक सीन था, जिसमें राजकुमार को मोनोलॉग शुरू करना था। मेरी सिर्फ 3-4 लाइनें थीं, जो उन्हें इशारा देने के लिए थीं, ताकि वो अपना डायलॉग शुरू कर सकें। लेकिन मैं वो छोटी-सी लाइनें भी ठीक से नहीं बोल पा रही थी। इस बात का बहुत बुरा लग रहा था, क्योंकि इससे मैं और ज्यादा घबराने लगी थी और दोबारा लाइनें भूलने लगी। ऐसे में अनुराग बसु और राजकुमार राव चाहते तो नाराज हो सकते थे, लेकिन उन्होंने बड़े ही प्यार से कहा, 'फैटी, इट्स ओके।' उन्होंने कहा, ऐसे वक्त पर ही समझ में आता है कि दूसरे लोग आपको कितना सपोर्ट करते हैं। अब जब कोई मेरे सामने लाइन भूलता है या गलती करता है, तो मैं नाराज नहीं होती। मैं उसे समझदारी से संभालती हूं। फातिमा इन दिनों 'मेट्रो... इन दिनों' के प्रचार में जुटी हैं। ये फिल्म 4 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आज के डिजिटल युग में साइबर फ्रॉड का गलत इस्तेमाल आम होता जा रहा है: परीवा प्रणति

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री परीवा प्रणति ने कहा है कि आज के डिजिटल युग में साइबर फ्रॉड और पहचान की गलत इस्तेमाल आम होता जा रहा है। सोनी सब का लोकप्रिय शो 'वागले की दुनिया' भारतीय मिडिल क्लास परिवार के रोजमर्रा के संघर्षों, मूल्यों और जिजीविषा को सामने ला रहा है। छोटे-बड़े उतार-चढ़ावों के बीच, वागले परिवार हमें पारिवारिक मूल्यों, ईमानदारी और उम्मीद की अहमियत का एहसास कराता है ,जिससे शो दिल को छू लेने वाला और बेहद जुड़ाव योग्य बन गया है। आगामी एपिसोड्स में कहानी में एक बड़ा मोड़ आता है, जब पुलिस साई दर्शन सोसाइटी पहुंचती है और वंदना (परीवा प्रणति) को पड़ोसी देश की जासूस होने के आरोप में गिरफ्तार कर लेती है। अधिकारियों के अनुसार एक संवेदनशील सरकारी जानकारी लीक हुई है, और जिस आईपी एड्रेस से यह सुरक्षा चूक हुई, वह वंदना के नाम पर रजिस्टर था। कहानी और गहराती है जब वंदना के बैंक अकाउंट में 25 लाख रुपए एक अज्ञात विदेशी कंपनी से ट्रांसफर हो जाते हैं, जिससे यह मामला एक जानकारी बेचने की डील जैसा प्रतीत होता है। पुलिस राजेश (सुमित राघवन) को बताती है कि सबूत काफी मजबूत हैं,जिससे वागले परिवार पूरी तरह से स्तब्ध रह जाता है। जैसे-जैसे परिवार सच्चाई को समझने की कोशिश करता है, वंदना पूरी तरह से फंसी हुई नजर आती है। वंदना वागले का किरदार निभा रहीं परीवा प्रणति ने कहा, आज के डिजिटल युग में साइबर फ्रॉड और पहचान की गलत इस्तेमाल आम होता जा रहा है, और वंदना के साथ जो होता है, वह एक चेतावनी है। उसकी पहचान और अकाउंट का इस्तेमाल उसे जासूसी जैसे गंभीर अपराध में फंसाने के लिए किया गया, यह बताता है कि हम सब कितने असुरक्षित हैं। मुझे खुशी है कि हमारा शो इस विषय को उजागर कर रहा है, क्योंकि आज हमें और अधिक सतर्क और जागरूक रहने की जरूरत है। ऐसे स्कैम्स मासूम जिंदगियों को बर्बाद कर सकते हैं, और यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट करें और मजबूत साइबर सुरक्षा तंत्र की मांग करें। 'वागले की दुनिया -नई पीढ़ी, नए किस्से', हर सोमवार से शनिवार रात 9:30 बजे, सिर्फ सोनी सब पर प्रसारित होता है।

अमेरिकी नेता जोहरान ममदानी पर कंगना रनौत नाराज, बोलीं- 'भारतीय कम और पाकिस्तानी ज्यादा लगते हैं'

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सांसद कंगना रनौत ने गुरुवार को भारतीय मूल के अमेरिकी नेता जोहरान ममदानी की आलोचना की। जोहरान ममदानी प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मीरा नायर के बेटे हैं और न्यूयॉर्क सिटी के मेयर हैं। कंगना ने उन पर हिंदू विरोधी और पाकिस्तान समर्थक विचार रखने का आरोप लगाया। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कंगना रनौत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने जोहरान ममदानी के भारत को लेकर नफरत भरे विचारों पर हैरानी जताई। कंगना ने कैप्शन में लिखा, वह भारतीय कम और पाकिस्तानी ज्यादा लगते हैं। कंगना रनौत ने मीरा नायर के गुजराती मूल के मशहूर लेखक महमूद ममदानी से शादी का जिक्र किया। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसा क्यों लगता है कि उनका बेटा हिंदू धर्म को खत्म करना चाहता है।

कंगना ने तंज करते हुए लिखा, उनकी मां मीरा नायर हैं, जो भारत की मशहूर फिल्म निर्माता हैं, पद्मश्री से सम्मानित,

भारत में जन्मीं और पली-बढ़ीं, अब न्यूयॉर्क में रहती हैं। उन्होंने गुजराती मूल के प्रसिद्ध लेखक महमूद ममदानी से शादी की। उनका बेटा जोहरान ममदानी है, वह भारतीय से ज्यादा पाकिस्तानी लगता है। उन्होंने आगे कहा, उनकी हिंदू पहचान या वंश के साथ जो कुछ भी हुआ, लेकिन अब वो हिंदू धर्म को मिटाने के लिए तैयार हैं, वाह!! हर जगह एक ही कहानी है। बता दें कि ममदानी कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल कर चुके हैं। उन्होंने 2 अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के विरोध में टाइम्स स्क्वायर में प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। बीते मई में उन्होंने पीएम मोदी की तुलना इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से की थी।

उन्होंने नेतन्याहू को युद्ध अपराधी करार दिया और वहीं 2002 के गुजरात दंगों की चर्चा करते हुए पीएम मोदी पर नरसंहार का आरोप लगाया था। इससे भारतीय-अमेरिकी समुदाय में उनके प्रति काफी गुस्सा है। जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में पूर्व गवर्नर एंड्रयू क्युमो को हराकर बड़ी जीत हासिल की थी। जीत के बाद उन्होंने 'एक्स' पर लिखा था, ''मुश्किल से मुश्किल काम भी नामुमकिन लगता है, जब तक वह पूरा नहीं हो जाए। मेरे दोस्तों, यह पूरा हो चुका है।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शनिवार | 28-06-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

योग हम भारत वासियों के लिए नया नहीं है यह अति प्राचीन है जब साधु संत ऋषि मुनि जंगलों में रहा करते थे तो वह योग और ध्यान के माध्यम से ही ईश्वर से जुड़ा करते थे उनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता था कि योग के माध्यम से अपने शरीर को जीवन को स्वस्थ कैसे रखें ताकि साधना कर सके साधनों से तो जीवन जिया जाता है लेकिन साधना से उसे जीवन का परम तत्व प्राप्त किया जाता है जिस उद्देश्य से हमने इस धरती पर जन्म लिया है।

जो लक्ष्य और मंजिल पूर्ति में सहयोगी होता है वह परमात्मा से कम नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के साधारण भवन में राष्ट्र संत कमल मुनि जी कमलेश ने संबोधित करते कहा कि जो हमारे लक्ष्य और मंजिल की पूर्ति में सहयोगी बनता है, वह हमारे लिए परमात्मा से कम नहीं होता है।

उन्होंने कहा कि सहयोग देने वाले आचार विचार व्यवहार को देखकर रुक जाएंगे तुम मंजिल से भटक जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम पानी में डूब रहे हैं, डाकू और धार्मिक दोनों खड़े हैं, डाकू प्राणों की परवाह न करके बाहर ले आता है और धार्मिक खड़े-खड़े कर्मों की दुहाई देता है और अनदेखा करके निकल जाता है तो आपके लिए महान कौन है।

मुनि कमलेश ने बताया कि गांव में शेर आया हम शाकाहार मांसाहार जाति कर्मकांड में बैठे रहे तो शेर सबको खा जाएगा और मतभेद भूल कर सब एक साथ खड़े होंगे शेर भाग जाएगा। हम सब के प्राणों की रक्षा हो जाएगी। जैन संत ने कहा कि मतभेद भूल कर समन्वय के मार्ग पर नहीं आने वाला, धार्मिकता में प्रवेश नहीं कर सकता है सफलता का सबसे बड़ा शत्रु है। राष्ट्र संत ने बताया कि परस्पर विरोधी विचारधारा में समन्वय स्थापित करने वाला, सफलता प्राप्त करने वाला महान पुरुष होता है जो सबके लिए प्रेरणा पद होता है।

आचार्य विजय कुलबोधी सूरिश्वरजी ने कहा कि हीरे पर खरोच आ जाए वह लाखों का कोड़ी में बिकता है एकता के हीरे पर खरोंच आती है उस धर्म की कोई कीमत नहीं होती। उन्होंने कहा कि मति और गति दोनों ही सुधारने की आवश्यकता है। इसके बिना आत्म कल्याण और शासन की प्रभावना नहीं कर सकते है।

पन्यास प्रवर निर्मोह सुंदर सूरीरश्वरजी ने कहा कि महावीर के शासन में शेर बकरी एक साथ रह सकते हैं हम परमपिता परमात्मा की संतान एक साथ क्यों नहीं ले सकते चिंतन करना होगा दोनों महापुरुषों ने संयुक्त अपील धर्म और देश के नाम पर जारी करते हुए कहा कि, भेदभाव को भूलकर संगठन को मजबूत करो संगठन में धर्म और परमात्मा का निवास है। चातुर्मास में समय समय पर संयुक्त कार्यक्रम होने का भी घोषणा की।

मूर्ति पूजक संघ की ओर से दोनों संतों को साल भेंट की, बाद में आचार्यविजय कुलबोधी सूरीश्वर जी ने राष्ट्र संत को आदर की चादर भेंट करके भाव भीना अभिनंदन किया। मुनि कमलेश ने भी आचार्यश्री को शाल अर्पित कर अभिनंदन किया।

संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता पन्नालाल सिंघवी मुकेश गोलेछा, बादल कटारिया, सुरेश गोलेछा, इंदर चंद कटारिया, सुरेश लुणावत दोनों संतों की 29 जून चातुर्मास प्रवेश पर भाग लेने की विनती की 28 जून को राष्ट्र संत कमल मुनिजी कमलेश के नेहरू बाजार जैन भवन में सुबह प्रवचन होंगे।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। इंडियन बैंक ने अपनी सीएसआर पहल के तहत लिटिल फ्लावर हायर सेकेंडरी स्कूल फॉर द डेफ, चेन्नई को सहायता प्रदान की, जिससे उन्हें श्रवण बाधित बच्चों के विकास के लिए उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिली। स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकारी निदेशक महेश कुमार बजाज और मुख्य महाप्रबंधक वलेरी रथ भी शामिल हुए।

चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऊटी में साध्वीश्री प्रियसोमंजन्नाश्रीजी का चातुर्मास प्रवेश हुआ। अपर बाजार स्तिथ श्री जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ द्वारा संचालित वासुपुज्य जैन मंदिर में खरतर गच्छ समुदाय के गच्छाधिपति आचार्य श्री मणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा., गुरुवर्या साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी की शिष्या साध्वी प्रियसोमंजन्नाश्रीजी, साध्वीजी प्रियज्ञानंजना श्रीजी, साध्वीश्री प्रियदक्षणाआंजनाश्रीजी का शुक्रवार को चातुर्मास प्रवेश हुआ।

श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वेलिंगटन मिलिट्री कॉलेज जो डीएसएससी-डिफेंस सर्विस स्टाफ कॉलेज के नाम से जानी जाती है, के आला अधिकारियों ने भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ को उनकी 17वीं पुण्यतिथि पर ऊटी के पारसी कब्रिस्तान में सैन्य सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के डॉ अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नालॉजी द्वारा टेकश्रेष्ठ-2025 प्रदर्शनी का आयोजन संस्थान में किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, विशिष्ट अतिथि एस. मरीस्वामी ने दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। मुणोत ने कहा कि जीवन में सपने बड़े देखने चाहिएं और उसके लिए मेहनत व लगन से कार्य करना चाहिए। मेहनत से सब कुछ संभव है। विद्यार्थियों ने मुणोत को सम्मानित किया।

कैंसर जागरूकता कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में कैंसर जागरूकता के अंतर्गत चेन्नई के मरीना बीच के स्टॉल वेंडर्स और मिन्ट स्ट्रीट के छोटी गाड़ियों के दुकानदारों को बटर पेपर वितरित किया गया। इस दौरान उन्हें शिक्षित किया गया कि फॉयल पेपर और न्यूज पेपर के उपयोग से कैंसर का खतरा हो सकता है। लगभग 100 दुकानों में बटर पेपर का वितरण किया गया, जिससे दुकानदारों को स्वस्थ विकल्प अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में महिला मंडल के अनेक पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

नशा विरोधी जागरूकता रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अंतर्राष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस के उपलक्ष्य में जे.बी.ए.एस. कॉलेज फॉर विमेन के नशा विरोधी क्लब ने 26 जून को नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें एक रैली, जागरूकता वार्ता और हस्ताक्षर अभियान शामिल थे। रैली को प्रिंसिपल और कॉरेस्पोंडेंट डॉ. अमथुल अज़ीज़ ने हरी झंडी दिखाई।

विभिन्न विभागों के छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। मुख्य अतिथि पुलिस उपायुक्त डॉ. जी. वनिता ने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ़ नशीली दवाओं के दुरुपयोग और हिंसा से निपटने पर दर्शकों को संबोधित किया। उनके प्रभावशाली भाषण के बाद, 350 प्रतिभागियों ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ़ शपथ ली। कार्यक्रम का समापन एक हस्ताक्षर अभियान के साथ हुआ।

रेल राज्य मंत्री ने चेन्नई-अरक्कोणम-कांचीपुरम खंड का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना जो चेन्नई के दो दिवसीय दौरे पर हैं, ने 27 जून को चेन्नई-अरक्कोणम-कांचीपुरम खंड में महत्वपूर्ण परिचालन और सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा करने के लिए एक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। मंत्री के साथ मंडल रेल प्रबंधक चेन्नई विश्वनाथ बी. ईर्या, मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति ए. इलमपूरनन और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी मौजूद थे।

कांचीपुरम स्टेशन पर पहुंचने परमंत्री ने स्टेशन का निरीक्षण किया

और उपलब्ध यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में लेवल क्रॉसिंग के बदले सीमित उपयोग वाले सबवे की लंबे समय से लंबित मांग के लिए एक ज्ञापन दिया। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सीमित उपयोग वाले सबवे के निर्माण की व्यवहार्यता का जल्द से जल्द अध्ययन किया जाना चाहिए। बाद में, मंत्री ने विवेकानंद मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल का दौरा किया, जहां उन्होंने 'विजडम-विज वर्कशॉप' और मेधावी छात्रों के सम्मान सहित कई कार्यक्रमों में भाग लिया। चेन्नई दौरे के अपने पहले दिन, बुधवार को मंत्री ने चेन्नई में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री का दौरा किया और कार्यशाला का निरीक्षण किया।

विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहुकारपेट स्थित बदलचन्द सायरचन्द जैन विद्यालय में इंडियन यूथ एसोसिएशन द्वारा एक प्रेरणादायक छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एजी जैन हायर सेकेंडरी स्कूल के 25 विद्यार्थियों को प्रति छात्र 3000 रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इस आयोजन का उद्देश्य उन विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना था, जो सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर परिश्रम कर रहे हैं। यह न केवल आर्थिक सहायता है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को सशक्त करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

इस गरिमामय अवसर पर इंडियन यूथ एसोसिएशन के सभी प्रमुख पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। समारोह की शोभा बढ़ाने वालों में अध्यक्ष उत्तम कांकरिया, कोषाध्यक्ष दिलीप बोकाडिया, सचिव अंकित कोचर, निदेशक राजकुमार दूगड़ और ललित बागमार प्रमुख रूप से शामिल थे।

कार्यक्रम इसके अतिरिक्त, ट्रस्ट के अन्य सदस्य लक्ष्मीचंद भंडारी, गौतमचंद लोढा, कमल ओसवाल सहित कई अन्य सदस्यों ने भी उपस्थिति दर्ज की।

यलहंका में संतश्री ज्ञानमुनि का चातुर्मास प्रवेश आज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ सकल जैन संघ यलहंका के तत्वावधान में संतश्री ज्ञानमुनिजी व लोकेशमुनिजी का चातुर्मास प्रवेश शनिवार को सुबह 7.30 बजे सुमतिनाथ जैन आराधना भवन में होगा। संतश्री शनिवार को सुबह मधुरा पैलेस से विहार कर कैफे कॉफी-डे होते हुए हॉस्पिटल रोड स्थित आराधना भवन में चातुर्मास के लिए प्रवेश करेंगे।

तेयुप राजाजीनगर ने किया आचार्य तुलसी डे-केयर हॉस्पिटल का हुआ उद्घाटन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर, श्रीरामपुरम में आचार्य तुलसी डे-केयर हॉस्पिटल का उद्घाटन मुनि डॉ पुलकित कुमार जी एवं आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में एवं अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता में जैन संस्कार विधि द्वारा किया गया।

डे-केयर के मुख्य प्रायोजक बद्रीलाल, सुखलाल, उत्तमचंद पितलिया परिवार ने उद्घाटन किया।

स्कैनिंग मशीन का उद्घाटन शांतिलाल, लादूलाल पितलिया परिवार, टीएमटी मशीन का उद्घाटन हंसराज, अशोककुमार चौधरी परिवार द्वारा किया गया। दूसरे सत्र में मुनि डॉ पुलकित कुमार जी ने मंगलाचरण किया। तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने सभी का स्वागत किया।

तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, जैनम लक्ष्मीनारायणपुरम ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश सियाल, मल्लेश्वरम विधायक डॉ अश्वत्थनारायण ने डे-केयर की आवश्यकता पर जोर देते हुए तेयुप के कार्य की सराहना की।

इस अवसर पर एटीडीसी के राष्ट्रीय सहप्रभारी ललित मेहर, शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी, सभा के पूर्व अध्यक्ष सुखलाल पितलिया, राष्ट्रीय महामंत्री अमित नाहटा, अभातेयुप परामर्शक विमल कटारिया, अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा, उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने शुभकामनाएं दी। इस मौके पर विभिन्न संबंधित संस्था के पदाधिकारी उपस्थित थे।

अंत में प्रायोजक परिवारों का सम्मान किया गया। मंच संचालन जयंतीलाल गांधी ने किया। रवि चौधरी ने धन्यवाद दिया।

शपथ ग्रहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में तेरापंथ युवक परिषद चेन्नई का शपथ ग्रहण समारोह मुनि श्री मोहजीत कुमार एवं मुनिश्री दीप कुमारजी के सान्निध्य में भवंरलालजी महेन्द्रजी मरलेचा के निवास स्थान पर आयोजित हुआ। शपथ ग्रहण कार्यक्रम की शुरुआत मुनि श्री मोहजीत कुमार जी के मंगलाचरण से हुई। निवर्तमान अध्यक्ष संदीप मुथा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष विशाल सुराणा को शपथ दिलाई। अध्यक्ष विशाल सुराणा ने नवीन बोहरा -उपाध्यक्ष 1, हरीश भंडारी- उपाध्यक्ष 2, मुकेश आच्छा- मंत्री, श्रीकांत चोरड़िया- सहमंत्री 1, तरुण बैद - सहमंत्री 2, दीपक श्रीश्रीमाल- संगठन मंत्री के रूप में एवं अपनी कार्यकारिणी टीम को शपथ दिलाई।

अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई ट्रेड सेंटर में आयोजित ईवी इंडिया एक्सपो 2025 में, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अग्रणी ई डैडी ने आधिकारिक तौर पर भारत की पहली और एकमात्र एआरएआई-स्वीकृत ईवी रेट्रोफिट किट का अनावरण किया, जो 17 लोकप्रिय ऑटो रिक्शा मॉडल के साथ संगत है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन स्टार्टअपटीएन के सीईओ और मिशन निदेशक शिवराज रामैया और इप्पोपे के संस्थापक और सीईओ मोहन के द्वारा ई-डैडी नेतृत्व और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इकोसिस्टम के हितधारकों की उपस्थिति में किया गया। कंपनी ने अपनी प्रमुख राज्यव्यापी पहल, इलेक्ट्रिफाइंग तमिलनाडु अभियान भी शुरू किया, जिसका उद्देश्य 2026 तक तमिलनाडु के टियर 2, टियर 3 और ग्रामीण क्षेत्रों में 4,000 वाहनों को रेट्रोफिट करना है।

रश्मि सुराणा बनी सुसवाणी माता महिला मंडल की अध्यक्ष, पुष्पा सुराना बनी मंत्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय सुसवाणी माता महिला मंडल की वार्षिक साधारण सभा एक होटल में सम्पन्न हुई जिसमें गत वर्ष का आय व्यय, गतिविधियों एवं आगामी कार्य की रुपरेखा पर चर्चा की गई। इस मौके पर आगामी कार्यकाल के लिए समिति का गठन किया गया। संस्थापिका संगीता सुराना एवं दुर्गा सुराना के अनुशंसा पर अध्यक्ष पद पर रश्मि सुराना, मंत्री पुष्पा सुराना, कोषाध्यक्ष पूनम सुराना एवं सहमंत्री गुणवंती सुराना को मनोनीत किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.